संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -239 रविवार ,30 जून 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारी बारिश से उत्तराखंड में दिखा बाढ़ का रौद्र रूप

» हरिद्वार में गंगा का जलस्तर बढ़ा...

» 8 गाड़ियां बहीं...

» दिल्ली में एक दिन में 4 महीने जितनी बारिश...

» 11 लोगों की मौत...

नई दिल्ली,29 जून 2024(ए)। देशभर में कुछ राज्यों को छोड़कर मानसून लगभग पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से शनिवार को गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे 8 कारें बह गईं।

उधर, दिल्ली में 28 जून को 24 घंटों में 9 इंच बारिश हुई,जो जून 1936 में एक दिन में 9.27 इंच बारिश के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बारिश है। इससे न केवल जून बल्कि मार्च से अब तक, यानी 4 महीने का कोटा पूरा हो गया।

दिल्ली में बारिश के कारण अलग-अलग घटनाओं में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। कल 5 लोगों की जान गई थी। शुक्रवार रात एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के गड्ढे में 3 मजदूर गिर गए थे। बारिश के कारण गड्ढे में पानी भरा था। आज सुबह तीनों मजदूरों के शव निकाले गए।

इधर,आउटर दिल्ली के एसपी बादली इलाके में शनिवार दोपहर सिरसपुर अंडरपास में भरे पानी में दो लड़के डूब गए। ओखला इलाके के अंडरपास में दिग्विजय कुमार चौधरी (60) नाम के व्यक्ति का शव मिला। सामने आया कि वो बीते 24 घंटे से पानी में डूबे हुए थे।

आईएमडी ने शनिवार (29 जून) को 27 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड, हरियाणा,उत्तर प्रदेश,राजस्थान,मध्य प्रदेश, पश्चिमबंगाल,सिक्किम,ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश,असम,मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गोवा, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक शामिल हैं।

आईएमडी बोला-दिल्ली के लिए हमारा वेदर फोरकास्ट मॉडल फेल हुआ

दिल्ली में गुरुवार-शुक्रवार रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण सड़कों पर 4-5 फीट तक पानी भर गया। इसके बाद आईएमडी ने कहा कि हमारा वेदर मॉडल दिल्ली की बारिश के बारे में पूर्वानुमान लगाने में विफल हो गया।26 जून को आईएमडी ने 29 और 30 जून को दिल्ली में बहुत भारी बारिश की भी संभावना जताई थी, लेकिन शुक्रवार (28 जून) सुबह की मूसलाधार बारिश की किसी को उम्मीद नहीं थी। 28 जून के लिए सिर्फ हल्की से मध्यम बारिश और आंधी-तूफान के साथ तेज हवाओं की भविष्यवाणी की थी।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल, बिहार और यूपी तक मानसून की पूर्वी शाखा के कारण अधिक वर्षा नहीं हो रही थी। मानसून धीरे-धीरे बढ़ रहा था, लेकिन मध्य प्रदेश की ओर से अचानक एक धारा आ गई। किसी को इतनी अधिक नमी की उम्मीद नहीं थी। मॉडल इसे पकड़ नहीं पाया।दिल्ली के अलावा मानसून ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, बंगाल, उत्तराखंड, हरियाणा, क्क और राजस्थान के बचे हुए हिस्सों को भी कवर कर लिया। आईएमडी का अनुमान है कि मानसून दो दिन में देश के बाकी हिस्सों में पहुंच जाएगा। ऐसा हुआ तो यह तय तारीख से एक हफ्ते पहले ही पूरे देश को कवर कर लेगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला, सोलन, कांगड़ा, चंबा, सिरमौर और मंडी में 30 जून तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में भी दो दिन भारी बारिश की आशंका है। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलेंगी।

10 साल में छठी बार जून में बारिश सामान्य से कम

मानसून के पहले महीने में न केवल बारिश घट रही है, बल्कि गर्मी के दिन भी बढ़ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक,जून खत्म होने में 2 दिन बचे हैं और देश में अब तक सामान्य से 14 प्रतिशत कम बारिश हुई है। ऐसा लगातार तीसरे साल हो रहा है। 10 साल में 6 बार जून में बारिश सामान्य से कम, एक बार सामान्य और तीन बार सामान्य से ज्यादा हुई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम. राजीवन का कहना है कि जून में मानसून 20 दिन तक पश्चिम बंगाल और दो हफ्ते तक गुजरात-महाराष्ट्र में अटका रहा। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायर्नमेंट के मुताबिक 1988 से 2018 के दौरान 62 प्रतिशत जिलों में जून में कम बारिश हुई।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए कामधेनु सरिया के डायरेक्टर

» 344 करोड़ की टैक्स चोरी का है आरोप

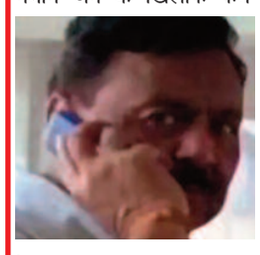

लखनऊ ,29 जून 2024 (ए)। कामधेनु सरिया के डायरेक्टर नवीन जैन को डीजीजीआई लखनऊ ने 3 दिन चली छापेमारी के बाद अरेस्ट कर लिया गया। नवीन जैन के खिलाफ फर्म पर 344 करोड़ का माल बिना जीएसटी चुकाए बेचने का आरोप है। वहीं बीते कई सालों से बड़े पैमाने पर नवीन जैन सेंट्रल जीएसटी के निशाने पर थे। टैक्स चोरी की रकम अभी और बढ़ सकती है। इस मामले में विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुमुदलता त्रिपाठी की कोर्ट में जमानत याचिका भी खारिज हो गई। जहां से अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

गुजरात में 7 ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

» झारखंड में प्रिंसिपल और पत्रकार गिरफ्तार

अहमदाबाद,29 जून 2024(ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में गुजरात में सात स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि गुजारत के चार जिलों आनंद,खेड़ा,अहमदाबाद और गोधरा में संदिग्धों के परिसरों पर सुबह छापेमारी की कार्रवाई शुरू की गई। इसी कड़ी में सीबीआई ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में झारखंड के हजारीबाग स्थित ओएएसआई एस स्कूल के प्रिंसिपल, वाइस प्रिंसिपल और एक हिंदी समाचार पत्र के एक पत्रकार को शुक्रवार को गिरफ्तार किया।

सीबीआई ने 6 एफआईआर किये दर्ज

सीबीआई ने इस मामले में छह एफ आईआर दर्ज की हैं। एनटीए ने देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी परीक्षा आयोजित की थी। इस साल 5 मई को कुल 571 शहर के 4,750 केंद्र पर परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में 23 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

प्रिंसिपल की कॉल डिटेल्स से सीबीआई पहुंची पत्रकार तक

हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक की कॉल रिकार्ड की जब छानबीन की गई तो पता चला कि पत्रकार का कनेक्शन भी इस मामले से है। अधिकारियों ने बताया कि ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा 5 मई को आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी के लिए हजारीबाग का नगर समन्वयक बनाया गया था। उन्होंने बताया कि वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज आलम को एनटीए का पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल का केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया था।

आरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में किया जाएगा पेश

अब तक इस मामले में 18 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। नीट पेपर लिक मामले के 13 आरोपी बिहार से हैं जिनसे आज सीबीआई जांच करने के लिए जेल पहुंची है। इन सब 13 आरोपियों से पूछताछ करके सीबीआई नीट मामले के मास्टरमाइंड तक पहुंचना चाहती है। वहीं अब जानकारी सामने आ रही है कि नीट पेपर लीक मामले में 7 आरोपियों को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीबीआई टीम की कड़ी सुरक्षा के आरोपियों को दिल्ली लाया जाएगा।

यूजीसी-नेट परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान

नई दिल्ली,29 जून 2024(ए)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने देश में इच्छुक शोधकर्ताओं के लिए नेट परीक्षा की नई तारीखों का ऐलान कर दिया है। यूजीसी नेट री-एग्जाम 21 अगस्त से 4 सितंबर,2024 के बीच होगा। वहीं सीएसआईआर नेट एग्जाम भी 25-27 जुलाई, 2024 के लिए निर्धारित है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की यूजीसी-नेट परीक्षा इस साल कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित होगी, जो पहले पेन और पेपर मॉडल से ली जाती रही है। कथित पेपर लीक या गड़बड़ियों के शक में शिक्षा मंत्रालय ने इसे आयोजित होने के अगले दिन ही कैंसिल कर दिया था। नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) 10 जुलाई को आयोजित की जाएगी। पहले यह परीक्षा 12 जून को होनी थी, इसके लिए 40,233 उम्मीदवारों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। तकनीकी कारणों से 12 जून को सभी केंद्रों पर परीक्षा शुरू नहीं हो सकी थी। इस बीच, एनटीए ने पुष्टि की है कि इस साल के लिए अखिल भारतीय आयुष पोस्ट ग्रेजुएट प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी) योजना के मुताबिक 6 जुलाई को आगे बढ़ेगी।

यूजीसी नेट और सीएसआईआर नेट का री-शेड्यूल

यूजीसी नेट की दोबारा परीक्षा 21 अगस्त से 4 सितंबर, 2024 के बीच होगी। दूसरी ओर, सीएसआईआर नेट एग्जाम भी 25-27 जुलाई, 2024 के लिए निर्धारित है। ये दोनों परीक्षाएं भारत में लेक्चरशिप और रिसर्च फेलोशिप चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए काफी अहम हैं। इन्हें क्वालिफाई करने पर उम्मीदवारों को यूनिवर्सिटी और रिसर्च सेंटर्स में मौका मिलता है।

फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश

33 महिलाएं समेत 73 गिरफ्तार

नोएडा,29 जून 2024(ए)। नोएडा के थाना सेक्टर-142 पुलिस ने शनिवार को फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए 73 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 40 पुरुष कर्मचारी और 33 महिला कर्मचारी शामिल हैं। इस गिरोह के चार अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। पकड़े गए आरोपियों में ज्यादातर मणिपुर और नागालैंड के रहने वाले युवक युवतियां हैं। इस कॉल सेंटर के जरिए ये लोग यूएस बेस्ड नागरिकों के उनके सोशल सिक्योरिटी नंबर से छेड़छाड़ कर धोखाधड़ी कर उनके साथ ठगी किया करते थे। अब तक ये लोग करोड़ों रुपए की ठगी कर चुके हैं।

यूपी में बीजेपी की हार की आ गई स्पेशल रिपोर्ट

» इन मुद्दों पर फेल हुई पार्टी...

» भीतरघात से भी हुआ नुकसान...

लखनऊ,29 जून 2024(ए)। यूपी लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार से बीजेपी उबर नहीं पा रही है. पार्टी में बैठकों का दौर जारी है. शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में बीजेपी कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत दोनों डिप्टी सीएम और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। जहां हारी हुई सीटों का विश्लेषण किया गया. बैठक में स्पेशल 40 टीम की समीक्षा रिपोर्ट पेश की गई. जिसमें बीजेपी की हार के कई कारणों का जिक्र किया गया है। बताया जा रहा है कि स्पेशल रिपोर्ट में जनता और कार्यकर्ताओं के के प्रति अफसरशाही के रवैये को भी कारण माना गया है। व्यवहार और अफसरों के भीतरघात करने का जिक्र भी है. इसके अलावा स्थानीय विधायकों की निष्क्रियता से पार्टी को काफी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कई विधायक अपने क्षेत्र के लोकसभा प्रत्याशी के खिलाफ थे और पार्टी को इन सीटों पर भीतरघात से नुकसान हुआ. रिपोर्ट के मुताबिक संविधान के मुद्दे पर शेड्यूल कास्ट वोटर अलग हो गया. ओबीसी वोटर छिटक गया और बीजेपी की करारी हार हो गई।इसके अलावा बीजेपी के पक्ष में कम वोटिंग होने का कारण बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से नाराजगी भी रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमाम कोशिशों के बाद भी बीजेपी वोट बैंक के बिखराव को रोका नहीं जा सका और दलित वोट संविधान के मुद्दे पर दूर होता गया. यह रिपोर्ट 3 चरणों मे तैयार हुई है।

प्रदीप मिश्रा ने अब दंडवत मांगी माफी

» राधा के पति कौन!' प्रदीप मिश्रा ने दिया था घोर विवादित बयान

» महापंचायत ने भी क्या फैसला लिया था

मथुरा,29 जून 2024(ए)। मध्य प्रदेश सीहोर के कथावाचक प्रदीप मिश्रा राधारानी मंदिर बरसाना पहुंचकर राधारानी के सामने माफी मांगी है. प्रदीप मिश्रा ने राधारानी पर विवादित बयान दिया था। बयान के बाद ब्रज के संत और ब्रजवासियों में गुस्सा था। साधु-संतों और गोस्वामी ने पंचायत कर मांग की थी कि प्रदीप मिश्रा राधारानी मंदिर आकर नाक रगड़कर माफी मांगे। मथुरा के प्रसिद्ध कथा वाचक प्रदीप मिश्रा द्वारा राधारानी पर अमर्यादित टिप्पणी किए जाने का मामला तूल पकड़े जाने के बाद आज कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने बरसाना राधारानी के दरबार में पहुंचकर क्षमा मांगी। प्रदीप मिश्रा के बयान से बृज के साधु संतों और ब्रजवासियों में काफी आक्रोश व्याप्त था। साधु संतों ने चेतावनी दी थी कि यदि कथा वाचक प्रदीप मिश्रा राधारानी पर की गई टिप्पणी के बारे में माफी नहीं मांगते हैं, तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। ब्रज के प्रमुख संत प्रेमानंद महाराज जी द्वारा भी प्रदीप मिश्रा को अज्ञानी बताते हुए उन्हें राधा रानी के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की बात कही गयी थी। मामला तूल पकड़ता देख कथावाचक प्रदीप मिश्रा बैक फुट पर आ गए और उन्होंने राधा रानी के दरबार में पहुंचकर क्षमा याचना की।

12 साल का लड़का अमीबा से संक्रमित

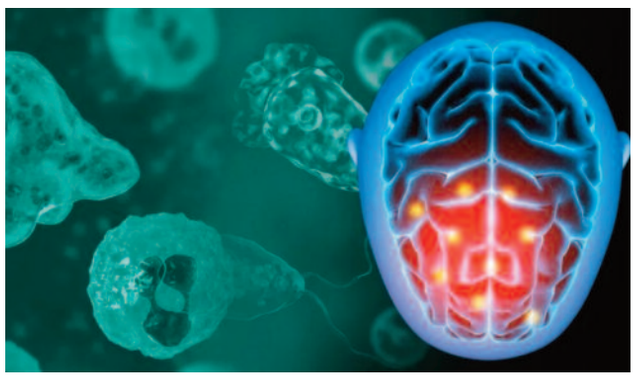

केरल में तीसरा मामला

कोझिकोड,29 जून 2024 (ए)। केरल के कोझिकोड जिले में एक लड़का अमीबा से होने वाली दुर्लभ मस्तिष्क संक्रमण से पीड़ित है, इस संक्रमण को अमीबिक मेनिंगो एनसेफेलाइटिस कहते हैं. इस मामले की जानकारी केरल के एक निजी अस्पताल ने दी है, फिलहाल उसकी हालत गंभीर है, जिसके लिए उसे बेबी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस जानलेवा दुर्लभ मस्तिष्क संक्रमण का यह तीसरा केस है. सोमवार यानी 24 जून को इस लड़के को बेबी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने इस संक्रमण की पहचान कर ली थी, उसके बाद से ही उसका इलाज किया जा रहा है. यह घातक अमीबा गंदे पानी में पाया जाता है और गंदे पानी में नहाने या गोताखोरी करने से कोई भी व्यक्ति इस अमीबा के संपर्क में आ सकता है।

स्थिति है काफी गंभीर, हो रहा इलाज

डॉक्टरों ने बताया कि लड़के की स्थिति काफी गंभीर है। डॉक्टरों ने इसके बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि इस बीमारी से व्यक्ति की मौत की दर 95 से 100 फीसदी है. लड़के का इलाज कर रहे डॉक्टर ने कहा कि इस बीमारी की पहचान जल्द ही कर ली गई और उसके साथ ही इसका इलाज भी तुरंत शुरू कर दिया गया था, क्योंकि अस्पताल के पास इस बीमारी का इलाज करने के लिए सभी जरूरी सामान मौजूद थे।

जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में बड़ा फैसला

नितीश के करीबी बनाए गए कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली,29 जून 2024(ए)। दिल्ली में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में चल रही बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर झा के नाम पर मुहर लगी है। बता दें कि पूर्व मंत्री और राज्यसभा सांसद झा को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का खास माना जाता है। पहले से ही इस बात की चर्चा थी कि इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाएगा। हालांकि इसमें दो नाम चल रहे थे। अंत में संजय झा को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। संजय झा को भाजपा और जदयू के बीच की कड़ी माना जाता है। महागठबंधन छोड़कर जदयू के भाजपा के साथ आने में झा की मुख्य भूमिका मानी जाती है।

फिल्मी अंदाज में पुलिस के काफिले पर हमला कर डकैती के आरोपी को छुड़ा ले गए गैंगस्टर

बेंगलुरु,29 जून 2024 (ए)। कर्नाटक के गडग जिले में बिल्कुल किसी एक्शन फिल्म की तरह डकैती के एक आरोपी को उसके साथी छुड़ा ले गये। बदमाशों ने शनिवार तड़के पुलिस के काफिले पर हमला किया और अपने साथी के साथ भाग गये। पुलिस ने बताया कि कोपल जिले में गडग रेलवे ब्रिज के पास गिरोह के लोगों ने गंगावती पुलिस के काफिले पर हमला किया और आरोपी अमजद अली ईरानी के साथ फरार हो गये। गंगावती शहर पुलिस को डकैती के एक मामले में ईरानी की तलाश थी। पुलिस अधीक्षक बी.एस. नेमागौड़ा ने शनिवार को अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मुलाकात के बाद बताया कि बीती रात पुलिस की टीम ईरानी को गिरफ्तार कर गंगावती थाने ले जा रही थी। रास्ते में उसके साथियों ने पुलिस टीम पर हमला किया और आरोपी के साथ भागने में कामयाब रहे। पुलिस हमले में शामिल लोगों पर कार्रवाई करेगी। अभी यह पुष्टि की जा रही है कि कितने हमलावर थे। घटना में पुलिस की कार की खिड़की टूट गई और दरवाजे को भी क्षति पहुंची है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हमला किस गैंग ने किया था। एसपी नेमागौड़ा ने कहा, हमें पता है कि उनके मन में कानून का डर कैसे पैदा किया जाना चाहिए। अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गैंग को पकड़ने के लिए जांच जारी है।

संपादकीय

दूरगामी एजेंडे का हिस्सा

लोकसभा के सदस्यों से आवश्यक शिष्टता, शालीनता, मर्यादा,भाषाई संयम और व्यावहारिक विवेक की अपेक्षा करना तो लगभग संभव ही नहीं रह गया है। फिर भी उनके महत्त्वपूर्ण लोकतांत्रिक पद के अनुसार न्यूनतम शिष्टाचार की उम्मीद तो रहती ही है।लेकिन इस बार नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ लेते समय शपथ ग्रहण मंच को जिस तरह से अपने-अपने एजेंडे का माध्यम बनाया वह जितना हतप्रभ करने वाला था उतना ही दुखद भी था। भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने शपथ लेने के बाद 'श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। तो बरेली के भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने जय हिन्दू राष्ट्रवाद का नारा लगाकर धर्मनिरपेक्षवादी विपक्ष को सुई चुभाने का काम किया।इसी तरह अनेक नवनिर्वाचित सांसद एक के बाद एक अपने-अपने एजेंडे को सामने रखते हुए शपथ लेने के समय नारे लगाते देखे गए। लेकिन सबसे ज्यादा हैरत में डालने वाला शपथ ग्रहण ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता असद्दीन ओवैसी का रहा। उन्होंने विशुद्ध इस्लामिक तरीके से अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ लेने के बाद जो नारे लगाए वे थे जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन। प्रत्यक्षतः लग सकता है कि उनके ये नारे सत्ता पक्ष को चिढ़ाने के लिए थे।इन नारों से सत्ता पक्ष विशेषकर राष्ट्रवादी भाजपा का कुनबा चिढ़ा भी, गुस्सा भी हुआ और आक्रामक भी। लेकिन इस पक्ष के पास ऐसा कोई कानूनी औजार नहीं था जिससे इस तरह की शपथ लेने वाले, हर समय इस्लाम और मुसलमान की दुहाई देने वाले इस सांसद ओवैसी को दंडित जैसा कुछ किया जा सके।वस्तुत- ओवैसी जैसे मुस्लिम नेता ऐसी बातें भ्रमवश, चूकवश या सिर्फ उकसावे के लिए नहीं करते। इस तरह की चीजें उनके दूरगामी एजेंडे का हिस्सा होती हैं जिसमें इस्लामी वर्चस्व,धर्मनिरपेक्षता, लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं और इनके नाम पर मिली अभिव्यक्ति की आजादी इनके मुख्य एजेंडे के लिए सिर्फ कवच मात्र होते हैं।इसलिए ओवैसी के नारों के निहितार्थ से केवल भाजपा, आरएसएस कुनबे को कम, बल्कि कथित धर्मनिरपेक्षतावादियों को ज्यादा चिंतित होना चाहिए और उन्हें इस तरह की स्थितियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि इनमें भविष्य की जिन टकराहटों की आहट छिपी हुई है, वह इस देश में सांप्रदायिक सद्भाव के स्वप्न को कभी पूरा नहीं होने देगी। आनेवाले वर्षों में कोई सांसद जय अमेरिका',जय पाकिस्तान' या जय चीन' का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस ख़तरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फ़ौरन रोक लगानी चाहिए।ज् संसद में चाहे जय श्री राम का नारा लगे और चाहे अल्लाह हो अकबर का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए।लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद अससुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौक गया। उन्होंने जय भीम, जय मीम,जय तेलंगाना और जय फ़िलिस्तीन का नारा लगाया। जहां तक जय भीम और जय तेलंगाना जैसे नारों की बात है तो ये देश के सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक दूसरे देश की जयकार बोलना, वो भी संसद के भीतर, ये किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने एक बहुत ही ग़लत परंपरा की शुरुआत की है। आनेवाले वर्षों में कोई सांसद जय अमेरिका, जय पाकिस्तान या जय चीन का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस ख़तरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फ़ौरन रोक लगानी चाहिए।सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है। बल्कि इसका भाव है, सर्व धर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ़ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किये गये जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमज़ान में सरकारी स्तर पर इफ़्तार की दावतें आयोजित करना। अगर ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिंदुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया। शायद इसी का परिणाम है कि पिछले दस वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधान सभाओं में ज़ोर-ज़ोर से व सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका परिणाम ये हो रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और अक्रमकता पहले से ज़्यादा बढ़ गई है। जबकि ये एक ख़तरनाक प्रवृत्ति है, जिसे सख़्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी। वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिंदू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते हैं।

हिंदुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिंदुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को अगर हिन्दुवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फ़िलिस्तीन में जा कर ये नारे लगाएँगे? मेरा उत्तर है कि मैं एक सनातन धर्मी हूँ और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से आरएसएस से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गये हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उसमें से केवल 36.6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब ये कि कुल 111 करोड़ हिंदुओं में से केवल 35 करोड़ हिंदुओं ने बीजेपी को वोट दिया। तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूँकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिंदू हैं और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने बीजेपी को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक हिंदू भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं।हम सब मानते हैं कि हमारा धर्म सनातन धर्म है। जिसका आधार है वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो वे कैसे हिंदू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती है? हमारे धर्म के चार स्तंभ हैं, उन चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा इन चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्ग निर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है? अगर नहीं तो फिर बीजेपी हिंदू धर्म के पुरोधा कैसे हुए?सनातन धर्म में साकार और निराकार दोनों ब्रह्म की उपासना स्वीकृत है। इस तरह उपासना के अनेक मार्ग व अधिकृत संप्रदाय हैं। इसलिए पूरे देश में व्याप्त सनातन धर्म का कोई एक झंडा या एक जय घोष नहीं होता। जैसे जय श्री राम' किसी अधिकृत संप्रदाय का जयघोष नहीं है। प्रभु श्री राम को लोग जय सिया राम, राम-राम जय रामजी की आदि अनेक संबोधनों से पुकारते हैं। जाकी रही भावना जैसी हरि मूरत देखी तिन तैसी। फिर केवल जय श्री राम धार्मिक उदघोष कैसे हुआ? ऐसी तमाम अन्य सब बातों को भी देख सुनकर कर यह स्पष्ट होता है कि भाजपा का हिंदुत्व सनातन धर्म नहीं है। ये इनकी राजनीति के लिये एक अस्त्र मात्र है। इसका अर्थ यह हुआ कि संसद में चाहे जय श्री राम का नारा लगे और चाहे अल्लाह हो अकबर का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए। जय फ़िलिस्तीन का नारा तो और भी ख़तरनाक प्रवृत्ति को दर्शाता है। आशा की जानी चाहिए कि संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष इस विषय पर गंभीरता से विचार करके संविधान और संसद की गरिमा बचाने का काम करेंगे।

-रजनीश कपूर-

मोदी सरकार के लिए विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था...विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था...इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया...

तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आई भाजपा गठबंधन सरकार के लिए इस बार विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष के कारण केंद्र सरकार को अपना रवैया पिछले कार्यकाल की तुलना में नरम रखना होगा। इसका प्रमाण भी लोकसभा में मिल गया। विपक्ष ने जिस तरह के तेवरों से आगाज किया है, सत्तारुढ़ दल उस तरह प्रतिरोध नहीं कर पाया जिस तरह पहले और दूसरे कार्यकाल में किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार की शुरुआत सामंजस्य बिठाने से की है।

पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों का जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दवाब होगा।

लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया- जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह-ओ-अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवी बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलीस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार इस बार साामन्य नजर आया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून, 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजकर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह अधिकारों की लड़ाई लडने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह आपकी आवाज बनकर आपके हितों और अधिकारों की लड़ाई लडने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लोकसभा के पिछले कार्यकाल में कांग्रेस की लगातार मांग के बावजूद संख्या बल का हवाला देते हुए मोदी सरकार ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति नहीं की थी। 17 वीं लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं होने पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा। नेता प्रतिपक्ष की सदन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका और संवैधानिक अधिकार होते हैं। इनमे कटौती करना सत्तारुढ़ दल के लिए संभव नहीं है। यह एक सम्मानीय पद है। राहुल गांधी के लिए भाजपा जिस तरह का वक्तव्य हर वक्त इस्तेमाल करती रही है, वह अब संभव नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष की हैसीयत सत्तारुढ़ दल के नेता से कम नहीं होती। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की आवाज उठाते हुए नजर आने वाले हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है. 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार संवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और संवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाई मिल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता ये भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी को बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है। नेता प्रतिपक्ष कई जरूरी नियुक्तियों में पीएम के साथ बैठता है। मतलब ये कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी साथ मिलकर कई फैसले लेंगे। दोनों के राय से फैसले लिए जाएंगे। चुनाव आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष इन सभी पदों का चयन एक पैनल के जरिए किया जाता है, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष शामिल रहते हैं। अब तक राहुल गांधी कभी भी मोदी के साथ किसी पैनल में शामिल नहीं हुए हैं। राहुल गांधी भारत सरकार के खर्चों की जांच करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे। राहुल सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा करेंगे। वह ये जानने की कोशिश करेंगे कि सरकार कहां पर कितना पैसा खर्च कर रही है। राहुल गांधी दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण देने के लिए भारत बुला सकते हैं। मतलब कि अगर वह किसी मुद्दे पर विदेशी मेहमानों से चर्चा करना चाहें तो वह ऐसा कर पाएंगे। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रमुखों के चयन में भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। वह पिछले 10 साल से इन एजेंसियों पर काफी आरोप लगाते आए हैं। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल को पद भी मिला है और उनका कद भी बढ़ गया है। नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी को कई अधिकार और सुविधाएं मिलेंगी। नेता प्रतिपक्ष का पद कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है। राहुल गांधी को केंद्रीय मंत्री के समान वेतन, भत्ता और दूसरी सुविधाएं मिलेंगी। राहुल को कैबिनेट मंत्री के आवास के स्तर का बंगला मिलेगा। उन्हें कार,ड्राइवर की सुविधा भी दी जाएगी. साथ ही 14 लोगों का स्टाफ मिलेगा। बतौर सांसद राहुल गांधी को एक लाख रुपए और 45 हजार भत्ता मिलता है,लेकिन नेता विपक्ष बनने के बाद उन्हें मासिक वेतन और दूसरे भत्तों के लिए 3 लाख 30 हजार रुपए मिलेंगे। नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी की पुरानी छवि टूट जाएगी और वो एक नई छवि को गढ़ते नजर आएंगे। साल 2004 में जब राहुल गांधी ने पहली बार चुनावी राजनीति में दस्तक दी थी। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सत्ता रही लेकिन राहुल ने कोई मंत्री पद नहीं लिया। उन पर कैबिनेट पद के लिए दबाव भी था, लेकिन फिर भी उन्होंने मना कर दिया था। 2014 में कांग्रेस जब सत्ता से बाहर हुई तो नेता प्रतिपक्ष बनाने लायक सीटें भी हासिल नहीं कर पाई थी। बदले हुए हालात में केंद्र की भाजपा सरकार पिछले कार्यकाल की तरह विपक्ष को दरकिनार करके सदन की कार्यवाही नहीं चलवा सकती। मजबूत विपक्ष और राहुल गांधी के प्रतिपक्ष का नेता बनने से मोदी सरकार को अपने नजरिए में फेरबदल करना होगा।

-योगेन्द्र योगी-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

संयुक्त परिवार का विघटनकारी स्वरूप

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

» संस्कार संस्कृति को नकारती नई पीढ़ी

नई युग के रूपांतरण के साथ ही संयुक्त परिवार का विघटनकारी स्वरूप सामने आने लगा है। बुजुर्ग लोगों को वृद्धा-आश्रम के हवाले सौंपने के पश्चात नौजवान पीढ़ी अपने एकल परिवार को लेकर अलग-अलग निवास करने लगी है और इसी के फल स्वरुप भारतीय संस्कृति तथा संस्कारो को नकारती हुई पाश्चात्य संस्कृति को आत्मसात करने में लगी हुई है। भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन तार्किक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को इतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा। भारतीय संस्कृति अध्यात्म

प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में अतिथि देवो भव और वसुधैव कुटुंबकम वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं। पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके। वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूचिता धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐशो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

फिर हम बैठेंगे अनशन पर

-डॉ. महेन्द्रकुमार जैन'मनुज'
रामगंज,जिंसी,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

फिर हम बैठेंगे अनशन पर
कुछ बड़ा तो होने दो।
अभी तो ये पहली बारिस
कुछ पॉस इलाके उर बस डूबी
दिल्ली आधी पूरी डूबे
यमुना में कुछ बाढ़ तो आने दो
हरियाणा ने ज्यादा छोड़ा पानी
यमुना से डूबी तब दिल्ली
आरोप हमारा तैयार रखा
कई जान तो जाने दो।
सब भाजप की कारस्तानी
सरजी को गिरफ्तार किया
उनके बचाव में हमें उलझाया
काम न तनकौ कर पाने का
ये आरोप तो मढ़ने दो।
सूखा बाढ़ परदूषण की साजिस
सब एल जी और पीएम हैं दोषी
ये सब इन लोगों की सैटिंग
भूमिका इसकी तैयार तो होने दो।
फिर हम बैठेंगे अनशन पर
बाढ़ उतर जायेगी नाटक में
ये सब स्क्रिप्ट तैयार हमारी
पीक टाइम तो आने दो।
मटका फोड़ पाड़ुनी चिल्लाते थे
मेरे अनशन ने जल जल कर डाला
ये पार्टी लाइन हमारी पक्की
बड़ा सा जलजला तो आने दो।
फिर हम बैठेंगे अनशन पर
कुछ बड़ा तो होने दो

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

धरती का श्रृंगार

कृष्णा चौहान
अमेरी,-बरमकेला
सारंगढ़-बिलाईगढ
छत्तीसगढ़

आओ धरती का श्रृंगार करे,
चारों तरफ हरियाली लाए!
रंग बिरंगे फल फुल,
पेड़ पौधे लगाए!
पर्यावरण को बचाएं,
जलवायु का सुधार करें!
मिट्टी का संरक्षण कर,
बंजर भूमि को उपजाऊ बनाएं!
प्रदुषण से मुक्त धरा बनाएं,
मरीजों को जीवन दान मिलें!
पौधारोपण पुण्य कर्म हैं,
जन जन को बताएं!
प्रत्येक त्यौहार में,
एक एक पेड़ जरूर लगाएं!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा .....अम्बिकापुर न्यायालय..... के अधीन होगा।

भारतीय परिस्तिथियों कों ध्यान मे रख कर भारतीयों द्वारा तैयार किया गया है नवीन कानून : आईजी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

नए कानून भारतीय न्याय संहिता,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं। इन कानूनों के प्रति लोगों को जागरुक करने सरगुजा पुलिस द्वारा पीजी कॉलेज के ऑडिटोरियम में शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। नए कानूनों को लागू करने का उद्देश्य जनता को पारदर्शी और त्वरित न्याय दिलाने तथा दंड व्यवस्था से न्याय व्यवस्था की ओर ले जाना है। कार्यशाला में कमिश्नर जीआर चुरेंद्र, आईजी अंकित गर्ग,कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान व एसपी योगेश पटेल ने लोगों को नवीन कानूनों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आईजी ने कहा कि समाज के सभी वर्गों मे नवीन कानूनों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए उक्त सेमिनार का आयोजन किया गया हैं, सेमिनार का मुख्य उद्देश्य आमनागरिकों की दिनचर्या से जुड़े हुए कानूनों एवं आमनागरिकों कों प्रभावित करने वाले कानूनों के सम्बन्ध मे जानकारी प्रदान करना हैं, पूर्व प्रचलित क़ानून सन 1860 से देश मे प्रभावशील था और यही क़ानून आमलोगो की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा रहे हैं, पूर्व प्रचलित क़ानून लम्बे समय से चले आ रहे थे, नवीन कानूनों के सम्बन्ध मे कार्यशाला एवं सेमिनार के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगो कों क़ानून मे हुए बदलाव की जानकारी दी जा रही हैं, नवीन क़ानून मे जीरो एफआईआर की सुविधा हैं, जिसमे आम व्यक्ति किसी भी छेत्र के थाने मे अपनी शिकायत एवं रिपोर्ट दर्ज करा सकता हैं, थाना छेत्र की सीमा कों दूर करने के अन्य प्रावधान भी दिए गए हैं जीरो एफआईआर के तहत अपराध दर्ज कर सम्बंधित थाने कों प्रकरण अग्रिम जांच हेतु निश्चित समयावधि मे भेजा जाना होगा, साथ ही नवीन क़ानून मे कई ऐसे ही कई बदलाव किये गए हैं जो आमनागरिकों के प्रति जवाबदेही तय करते हैं एवं दंड व्यवस्था से न्याय व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाया गया हैं उपरोक्त नवीन क़ानून भारतीय परिस्तिथियो कों ध्यान मे रख कर भारतीयों द्वारा तैयार किया गया हैं, वीडियोग्राफी,ऑडियोग्राफी जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य कों प्राथमिक साक्ष्य के रूप शामिल किया गया हैं, पुराने क़ानून की स्वीकार्यता नवीन परिस्थितियो के हिसाब से भिन्न थी, अब साइबर अपराध, आतंकवाद, संगठित अपराध, मॉब लिंचिंग सम्बन्धी अपराधों की नवीन परिस्थितियों कों ध्यान मे रखकर नवीन क़ानून कों लागु किया जाना आवश्यक था। कार्यक्रम में कार्यशाला के दौरान सुजीत कुमार उमनि 10 वीं वाहिनी सिलफिली, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, नगर पुलिस अधीक्षक रोहित शाह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण अमित पटेल, उप पुलिस अधीक्षक जयराम चेरमाको, संभागीय सेनानी नगर सेना राजेश पाण्डेय, प्राचार्य पीजी कॉलेज रिजवान् उल्ला, रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे, प्राचार्य साईं बाबा कॉलेज राजेश श्रीवास्तव, वक्तागण ब्रजेश राय विभागाध्यक्ष विधि संकाय, श्रुति कांबले एडीपीओ, जितेश्वरी सोनवानी, एडीपीओ, डॉ मिलेन्द्र सिंह सहायक प्राध्यापक,उप निरीक्षक अभय सिंह, सहायक उप निरीक्षक अभय तिवारी एवं समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि, एनजीओ एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण सहित काफ़ी संख्या मे छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

कानूनों में किया गया है व्यवहारिक परिवर्तन

सेमिनार कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर सरगुजा विलास भोस्कर ने कहा कि 1 जुलाई 2024 से नया क़ानून लागु होना सुनिश्चित हैं,पुराने कानूनों में कुछ व्यवहारिक परिवर्तन किया गया हैं,कुछ नियम बदले गए हैं, और कुछ नियम जो वर्तमान के लिए आवश्यक थे उन्हें जोड़ा गया हैं,जिला प्रशासन,पुलिस एवं माननीय न्यायालय द्वारा आमनागरिकों को नवीन क़ानून के सम्बन्ध मे सम्यक जानकारी दी जा रही हैं, न्याय प्रणाली मे पारदर्शिता लाने के लिए नागरिक केंद्रित क़ानून बनाया गया हैं, आप सब नवीन क़ानून का प्रचार प्रसार करें, जन जन तक नवीन कानूनों कों पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सबकी हैं,पुराने कानूनों मे बदलाव कर नवीन कानूनों कों सरल एवं पारदर्शी किया गया हैं,एवं आमजनता कों अपने अधिकारों की रक्षा हेतु नये क़ानून को आत्मसात करने की जानकारी दी गई।

पुराने क़ानून औपनिवेशिक काल में किए गए थे लागू

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक सरगुजा योगेश पटेल ने कहा कि जो क़ानून अंग्रेजों द्वारा उस समय की परिस्थितियो कों देखकर बनाये गए थे वो अब नवीन परिस्थितियों के हिसाब से कानूनों में बदलाव किया जाना आवश्यक था,तीनों नवीन क़ानून भारतीय न्याय संहिता,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य संहिता कों वर्तमान में लागू किया जाना हैं। आपराधिक क़ानून देश के प्रत्येक व्यक्ति पर लागु होते हैं और सबको प्रभावित करते हैं, पुराने क़ानून औपनिवेशिक काल में लागू किये गए थे,पुराने क़ानून मे आज की परिस्थितियों कों ध्यान मे रखकर बदलाव की आवश्यकता महसूस की जाती रही थी,नवीन क़ानून मे नये अपराध कों सम्मिलित कर नये क़ानून लाये गए हैं,पुराने कुछ क़ानून कों समाप्त किया गया,नवीन कानूनों मे ई-एफआईआर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दर्ज करा सकते हैं, बच्चों एवं महिलाओ के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जाने के प्रावधान किये गए हैं साथ ही आतंकवाद,मॉब लिंचिंग मे सख्त प्रावधान किये गए हैं,पूर्व मे कोर्ट की प्रक्रिया मे काफी समय लगता था,जिसे अब समय सीमा के अंदर तय किया गया हैं, उपरोक्त नवीन क़ानून सम्पूर्ण प्रक्रिया कों दंड व्यवस्था से न्याय व्यवस्था की ओर लाये जाने हेतु महत्वपूर्ण कदम होना बताया गया,नवीन क़ानून का लाभ आमनागरिकों कों प्रदान करने एवं नागरिको की सुविधाओं से जुड़े नवीन प्रावधानो का जानकारी दिए जाने हेतु सेमीनार का आयोजन सरगुजा पुलिस द्वारा किया गया हैं।

एनएच पर 2 ट्रकों में भिड़ंत,क्लीनर की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-रामानुजगंज मार्ग पर राजपुर थाना क्षेत्र के पूर्णिमा पार्क गेउर नदी के पास शनिवार की सुबह दो ट्रकों के बीच आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक के क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं ट्रक के सामने का हिस्सा भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक चालक की रिपोर्ट पर राजपुर पुलिस ने दूसरे ट्रक ड्राइवर के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार से क्लिंकर भरकर ट्रक क्रमांक सीजी 08 एजे-5481 बिहार के औरंगाबाद जा रहा था। शनिवार की सुबह करीब 7.45 बजे ट्रक अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाइवे पर स्थित राजपुर थाना क्षेत्र के पूर्णिमा पार्क गेउर नदी के पास पहुंचा ही था कि राजपुर की ओर से तेज रफ्तार में ट्रक क्रमांक बीआर 01 जीएन- 6098 के चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक क्रमांक सीजी 08 एजे-5481 में सवार क्लीनर बलौदा बाजार के कसडोल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुडिय़ाडीह निवासी मेघराम केंवट पिता पीतांबर राम 38 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। वह ड्राइवर की पीछे की सीट पर सो रहा था। ड्राइवर उमेंद्र कुमार धृतलहरे की रिपोर्ट पर राजपुर पुलिस ने बिहार की ओर से आ रहे ट्रक चालक के खिलाफ धारा 174,304 ए व 279 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

रौतिया समाज के विरोध के बाद आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

रौतिया समाज के विरोध के बाद पुलिस ने आरोपी युवती के प्रेमी को गिरफ्तार किया है। युवती की लाश 17 जून को घर के पास फांसी पर लटकी हुई मिली थी। परिजन ने मृतका के प्रेमी पर संदेह जताया था। घटना के 13 दिन बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज रौतिया समाज ने शुक्रवार को एसपी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराकर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की थी। मामले में एसपी द्वारा जांच अधिकारी को हटा दिया गया था। जांच अधिकारी को हटते ही पुलिस ने आरोपी मृतका के प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी अनुसार उदयपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम भदवाही की रहने वाली सीता 16 जून की घर में परिजनों को बिना बताए रात 11 बजे कही चली गई थी। दूसरे दिन घर के पास कुछ दूरी पर पेड़ में युवती की लाश फांसी पर लटकी हुई मिली थी। परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। परिजन का आरोप है कि घटना के 13 दिन बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। कार्रवाई नहीं करने से नाराज रौतिया समाज के लोगों ने शुक्रवार को अंबिकापुर पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा था। एसपी ने मामले में निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया था। वहीं मामले की जांच कर रहे अधिकारी को हटा दिया गया था। मामले में पुलिस ने आरोपी मृतका के प्रेमी जयंत ठाकुर निवासी कलचा उदयपुर को गिरफ्तार किया है। मृतका व आरोपी का प्रेम प्रसंग था। घटना दिवस जयंत युवती को साथ लेकर गया था। आरोपी युवती से शादी करने से इंकार कर दिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुई थी। इससे नाराज होकर युवती ने घर से कुछ दूरी पर पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 306 के तहत कार्रवाई कर जेल दखिल कर दिया है।

पिता ने बेटे के सीने में मारा तीर,हालत गंभीर

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

शरब के नशे में धुत पिता ने घर में रखा तीर-धनुष निकालकर बेटे पर हमला कर दिया। तीर सीधे बेटे के सीने में घुस गया। तीर लगते ही बेटा मूर्छित होकर जमीन पर गिर गया। सीने में धंसे तीर के साथ परिजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए। यहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने 2 घंटे ऑपरेशन कर तीर बाहर निकाला। इसके बाद भी युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसर अर्जुन लाल (25) पिता रतन लाल बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। अर्जुन 27 जून की शाम को अपने भाई के साथ काम करने बनारस जाने वाला था। इससे पूर्व अर्जुन ने पिता से कहा कि आप भी काम करने चलो। पिता शराब के नशे में था। बेटे द्वारा काम करने जाने की बात कहना उसे अच्छा नहीं लगा और गाली-गलौज शुरु कर दी। उसने कहा कि हमसे बुजुर्ग अवस्था में भी काम कराओगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और मारपीट करने लगे। घर वालों द्वारा बीच-बचाव करने के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद अर्जुन अपने भाई के साथ बाइक से बनारस जाने घर से निकल ही रहा था कि पिता ने उस पर तीर से हमला कर दिया। तीर बेटे के सीने के बीचों-बीच जा घुसा और वह मुर्छित होकर जमीन पर गिर गया। तीर लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए परिजन वाड्रफनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देख मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया। फिर परिजन उसी हालत में उसे लेकर अंबिकापुर पहुंचे। परिजन 28 जून की सुबह 6 बजे अर्जुन को तीर लगे स्थिति में लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। आपातकालीन ड्यूटी में पदस्थ चिकित्सकों द्वारा मामले की जानकारी सीनियर चिकित्सकों को दी गई। सीनियर चिकित्सक के आने के बाद उसका उपचार शुरू किया गया। सर्जन विभाग के एचओडी डॉ. एसपी कुजूर व अन्य चिकित्सकों की उपस्थिति में उसका ऑपरेशन किया गया। करीब 2 घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद अर्जुन के सीने से तीर बाहर निकाला गया।

सद्भावना ग्राम तकिया के मजार परिसर में बहुप्रतीक्षित पानी टंकी निर्माण की हुई शुरुआत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

विधायक राजेश अग्रवाल और कलेक्टर विलास भोसकर की पहल पर सद्भावना ग्राम तकिया के मज़ार परिसर में बहुप्रतीक्षित पानी टंकी का निर्माण आज शनिवार से शुरू हो गया है। निमार्ण होने से तकिया मजार परिसर में पानी की समस्या दूर हो जाएगी। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के सदर इरफ़ान सिद्दीकी, अफजाल अहमद अंसारी, अब्दुल लतीफ,बाबू रकीब अंसारी,सहजेब अंसारी,तकिया के मुख्य मोजावर मोईन,अख़लाक़,मोखतार आलम,मो. नसीम,मो.हयात तथा ठेकेदार,इंजीनियर उपस्थित थे।

अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित चन्दनई नदी पर बने पुल के पास गड्ढे होने से हो रही दुर्घटना

कई मोटरसाइकिल सवार गिरकर हो चुके है चोटिल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित लखनपुर चंदनई नदी पुल के अंतिम छोर में गड्ढे हो जाने से आए दिन मोटरसाइकिल सवार दुर्घटना का शिकार हो रहे है। प्रतिदिन जिला के वरिष्ठ अधिकारी सहित वीआईपी लोगों का भी इसी सड़क मेंआना-जाना है परंतु यह गड्ढा अधिकारियो को नही दिख रहा है। जब यह गड्ढे के कारण बड़ी दुर्घटनाएं होगी तभी अधिकारियों की नजर इस गड्ढे पर पड़ेगी। अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 शिवनगर से से अम्बिकापुर हमेशा ही सुर्खियों में रहा है। जब से यह सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ तभी से ठेकेदार एवं अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण शुरुआती दौर में गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्यों सहित लेट लतीफी को लेकर आम क्षेत्रवासी काफी परेशान हुए तथा सड़क को लेकर कई बार चक्का जाम भी किया गया है। आज भी राष्ट्रीय राजमार्ग के बहुत सारे ऐसे स्पॉट हैं जहां सड़क कहीं कही पास काफी गड्ढा हो गया है खास तौर पर पुरानी पुलिया को सड़क में ज्वाइंटर के पास बड़े-बड़े गड्ढे देखने को मिल रहे हैं।जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं ठेकेदार की लापरवाही के करण राहगिरो व सड़क में चल रहे मोटरसाइकिल से लेकर बड़ी वाहनों को परेशानी झेलनी पड़ रही है और दुर्घटनाओं का शिकार भी हो रहे हैं। प्रशासन भी इसे लेकर कुछ विशेष पहल नहीं दिख रही है पूर्व में भी अधूरे नाली निर्माण को लेकर नगरवासी ने आला अधिकारियों तथा ठेकेदारों के विरुद्ध आवाज उठाई थी परंतु जिला प्रशासन की ओर से मामले में संज्ञान नहीं लेने से क्षेत्रवासी काफी हैरान और परेशान हैं।

वही गौरतलब बात है कि अंबिकापुर बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के चंदनई नदी में बने पुराने पुल और एनएच सड़क के ज्वाइंटर के पास खतरनाक गड्ढा बन गया है जिसमें आए दिन मोटरसाइकिल सहित चार पहिया वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाएं का शिकार हो रहे है यह गड्ढा नहीं भरा गया तो आने वाले समय में एक बड़ी दुर्घटना होने की प्रबल संभावना है।

100 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

100 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गांधीनगर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 28 जून को गांधीनगर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली की दो संदिग्ध युवक झोला में नशीले इंजेक्शन रखकर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर झोले की तलाशी ली तो 100 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत 50 हजार रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी सूरज उर्फ रोहित दोहरे (23) निवासी गंगापुर नालापारा थाना गांधीनगर, रोहित मालाकार (20) निवासी भट्ठापारा थाना कोतवाली अम्बिकापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक विनय सिंह, आरक्षक अतुल सिंह ,उमाशंकर साहू, बृजेश राय ,अरविंद उपाध्याय ,सत्यम, घनश्याम देवांगन एवं साइबर सेल से आरक्षक मनीष सिंह शामिल रहे।

लोकसभा चुनाव 2024 की समीक्षा बैठक संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

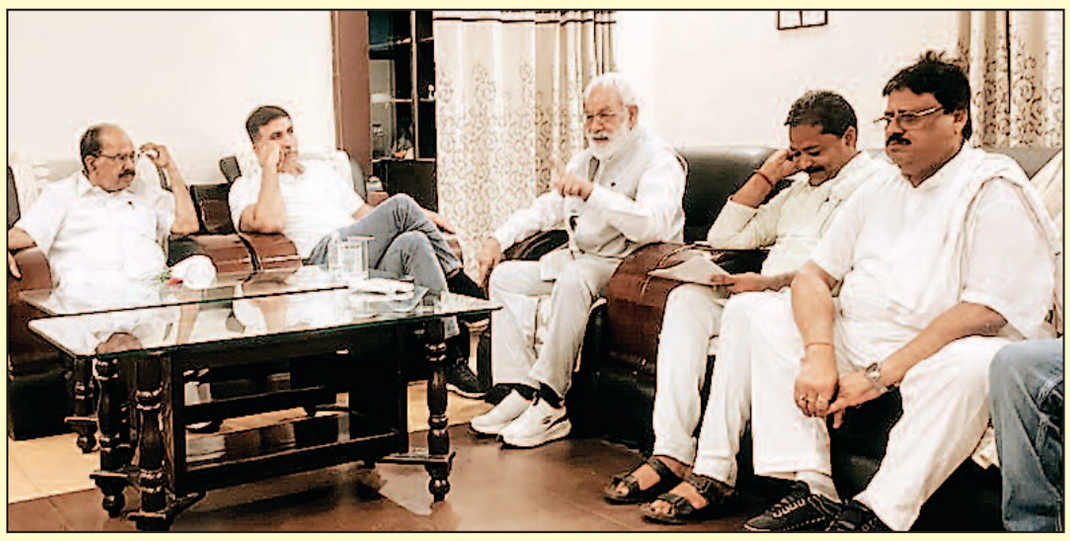

लोकसभा चुनाव 2024 की समीक्षा हेतु कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री वीरप्पा मोइली के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सरगुजा जिला कांग्रेस के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस सरगुजा जिले में लगभग 3900 वोटों से पिछड़ गई थी जबकि सरगुजा लोकसभा क्षेत्र में करीब 64000 वोटों से उसकी हार हुई। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस 11 में से मात्र 1 सीट ही जीत पाई। इन परिणामों की समीक्षा हेतु अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री श्री वीरप्पा मोइली और श्री हरीश चौधरी को जवाबदेही दी गई है। इस सिलसिले में बिलासपुर में समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। इसमें सरगुजा जिले से श्री बालकृष्ण पाठक,श्री अजय अग्रवाल,शफ़ी अहमद,डॉ अजय तिर्की,मधु सिंह, जे पी श्रीवास्तव, द्वितेंद मिश्रा,अनूप मेहता, राकेश सिंह आदि उपस्थित रहे। पूर्व विधायक और केबिनेट मंत्री डॉ प्रेम साय सिंह, अमरजीत भगत और डॉ प्रीतम राम भी इस दौरान मौजूद रहे। समीक्षा बैठक के दौरान उन सभी कारकों पर चर्चा हुई जिनके कारण न केवल लोकसभा साथ ही विधानसभा चुनाव में पार्टी को निराशाजनक परिणाम मिले। संगठन में गतिशीलता लाने के लिए प्रदेश स्तर पर अमूल चूल परिवर्तन की सिफारिश सरगुजा जिले के पदाधिकारियों ने की है।

बालिका आवासीय कबड्डी खेल अकादमी बिलासपुर हेतु सुषमा रजवाड़े का चयन

कलेक्टर रोहित व्यास ने दी बधाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर के निर्देशन तथा सूरजपुर कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस एवं राज्य शासन द्वारा संचालित खेल अकादमी में बालिका आवासीय कबड्डी अकादमी सत्र 2024-25 में प्रवेश हेतु राज्य स्तरीय चयन ट्रायल में जिले की बालिका कबड्डी खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमे सुषमा राजवाड़े का चयन बिलासपुर में संचालित खेल अकादमी बहतराई के लिए हुआ है। खेल अधिकारी श्रीमती आरती पांडेय ने बताया कि राज्य स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन 19 से 22 जून को स्व.बी.आर.यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई स्टेडियम बिलासपुर में किया गया, उक्त चयन ट्रायल में एथलेटिक्स, कबड्डी, हॉकी व तीरंदाजी जैसे खेल विद्या शामिल थे। सूरजपुर से कबड्डी एवं एथलेटिक्स के खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में भाग लिया। जिसमे कबड्डी खेल विधा के अंतर्गत माध्यमिक शाला रूनियाडीह मे अध्यनरत ग्रामीण गरीब परिवार की आदिवासी बच्ची कुमारी सुषमा राजवाड़े आत्मजा भारत सिंह व माता श्रीमती रजनी राजवाड़े का चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ी खेल अकादमी में रहकर एनआईएस कोच के मार्गदर्शन में कबड्डी खेल की बारीकियां सीखेंगी। राज्य शासन द्वारा संचालित खेल अकादमी पूर्णतः निःशुल्क होता है, जहां खेल के साथ-साथ पढ़ाई, रहना, खाना पीना आदि सुविधाएं दी जाती है। ज्ञातव्य है कि 17 जून को शाला स्वच्छता अभियान अंतर्गत कलेक्टर सर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में श्रमदान करने पहुंचे तो वहां संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा जिले से चयनित व इसी संस्था मे अध्यनरत चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु चयनित खिलाड़ी शांति सिंह आत्मजा पहाड़ी राम, मनीषा सिंह आत्मजा भारत सिंह, कुमारी सुषमा सिंह आत्मजा भारत सिंह व मयूरी राजवाड़े आत्मजा कमला प्रसाद राजवाड़े को मिलवाया और बताया कि इन चारों बच्चियों को बी0आर0 यादव खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई बिलासपुर में ट्रायल देने हेतु चयन हुआ है जो आने वाले समय में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयन ट्रायल में सम्मिलित एक अन्य खिलाड़ी कुमारी मयूरी राजवाड़े आत्मजा कमला प्रसाद राजवाड़े माता श्रीमती जानकी राजवाड़े ने भी फर्स्ट वेटिंग लिस्ट में है। चयनित खिलाड़ी को कलेक्टर रोहित व्यास ने बधाई व शुभकामनाएं दी। संस्था प्रमुख की मांग पर कलेक्टर द्वारा सुषमा सिंह को कबड्डी शूज प्रदान किया तथा कबड्डी प्रेक्टिस हेतु एक नग कबड्डी मैट प्रदान करने आश्वासन दिए। इस अवसर पर चयनित खिलाड़ी को कलेक्टर श्री रोहित व्यास, श्री राम सेवक पैकरा पूर्व गृहमंत्री, जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम ललित पटेल, डीएमसी श्री शशिकांत सिंह, खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज कुमार मंडल, प्रधानपाठक सीमांचल त्रिपाठी सहित छात्रा के समस्त शिक्षकगण, परिवारजन तथा ग्रामवासी ने बधाई व शुभकामना दी।

नशीली कफ सिरप के साथ 1 व्यक्ति को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर ,29 जून 2024 (घटती-घटना)।

डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने अवैध कार्यो में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्ती से निपटने और कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 28.06.2024 को थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति नशीली सिरप लेकर बिक्री के लिए ग्राहक की तलाश में ग्राम चमनपुर की ओर से पैदल शिवपुर होते हुए प्रतापपुर की ओर आ रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए ग्राम खजुरी-शिवपुर तिराहा के पास घेराबंदी कर उस व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम योगेन्द्र गुप्ता पिता कन्हाई साव उम्र 45 वर्ष ग्राम करी चलगली, चौकी रनहत, जिला बलरामपुर का होना बताया जिसके कब्जे से 10 नग ओनरेक्स कफ सिरप जप्त किया गया जिसकी बाजारू कीमत करीब 35 सौ रूपये है। मामले में धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई हीरालाल साहू, प्रधान आरक्षक रजनीश त्रिपाठी, मनोज केरकेट्टा, राहुल गुप्ता, आरक्षक अवधेश कुशवाहा, इन्द्रजीत सिंह, राजेश तिवारी, हरिचंद दास, विरेन्द्र कुजूर, भीमेश आर्मो व राजू एक्का सक्रिय रहे।

पेंडरखी में मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

-संवाददाता-
उदयपुर,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

विकास खंड उदयपुर के दुरस्त अंचल के मा शाला पेंडरखी में सत्र 2024 के लिए प्रवेश उत्सव मनाया गया जिसमे गांव के सरपंच पंच गण उपस्थित रहे। मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर धूप दीप प्रज्ज्वलित कर तथा माल्यार्पण कर अतिथियों ने कार्यक्रम की शुरुवात की। सामूहिक रूप से सरस्वती वंदना किया गया फिर मुख्य अतिथि के द्वारा बच्चो को टीका लगाकर , मिठाई खिला कर और फूलों की हार पहना कर उनका स्वागत किया गया । प्राथमिक शाला के 12 और मा शाला के 12 बच्चो का स्वागत किया गया। सरपंच ने अपने उद्बोधन में कहा की हमारा गांव पढ़ाई में अब रोड साइड के गांव का मुकाबला कर रहा ,पढ़ाई लिखाई हो रहा है। नियमित शिक्षक आ रहे उसका परिणाम गांव के बच्चो पर दिख रहा सरपंच ने सभी पालकों से बच्चो को नियमित स्कूल भेजने को कहा । कार्यक्रम के पश्चात सभी बच्चो को भोजन कराया गया, लड्डू से मुंह मीठा कराया गया। आज की कार्यक्रम में पालकगण, सरपंच कलम साय, पंच गण,आंगन बाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका मितानिन ,शिक्षक गण संकुल समन्वयक सुनील कुमार यादव शिक्षक सुगंध सिंह, प्रदीप कुजूर श्रीमती कामख्या सिंह साकेत शर्मा कु मंजुला यादव,विजय यादव,गोविंद लकड़ा,महेश राम उपस्थित रहे।

लिपिक संघ को मजबूत करने भैयाथान में आयोजित हुई बैठक

-संवाददाता-
भैयाथान,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ी लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ पंजीयन क्रमांक 79 का तहसील स्तरीय मासिक बैठक विकासखंड भैयाथान के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। बैठक में लिपिको के समस्याओं को सुना गया और संगठन को मजबूत करने के संबंध में चर्चा किया गया सभी लिपिक साथी एक स्वर में संगठन के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए नारे लगाए एवं संगठन को मजबूत करने के लिए एक स्वर में सहमति प्रदान किया इस कार्यक्रम में श्री हुलेश्वर प्रसाद गुप्ता जिला अध्यक्ष श्री सुशील कुमार टोप्पो प्रदेश महामंत्री श्री दिनेश ठाकुर तहसील अध्यक्ष अजय कुमार सिंह जिला सचिव श्री शिवलाल पैकरा अनु चौहान आकांक्षा कुजूर सुकेन पैंकरा आरती आरती जसवाल पूर्णमासी सुनीता पैंकरा उमेश कुमार देवदत्त तिवारी मारकुस एक्का विष्णु प्रसाद कमलकांत कुशवाहा सत्य प्रकाश विकास कुमार सिंह उदित गुप्ता बसंत लाल धर्मेंद्र सिंह धनेश्वर पैंकरा जयंत नारायण अंजीत कुमार लकड़ा प्रशांत वर्मा नोरीश खान डीडी राजवाड़े दीपक बड़ा रजनीश तिवारी हरेष पैंकरा अनिल कुजूर बसन्त शिव सिंह एवं अन्य लिपिक साथी भारी संख्या में उपस्थित थे।

पिता-पुत्र पर तलवार से प्राण घातक हमला करने के मामले में चौकी लटोरी पुलिस ने 3 को किया गिरफ्तार

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

दिनांक 26.06.24 को ग्राम लटोरी निवासी संजय अग्रवाल ने चौकी लटोरी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 25-26 जून 2024 के दरम्यानी रात्रि में सपरिवार खा पीकर सो गए थे रात्रि करीब 1.15 बजे 2 अज्ञात व्यक्ति घर में चोरी करने के नियत से घुसे तब उनकी आह व टार्च की रौशनी से इसका नींद खुला तो यह बोला कौन है कहकर उठा तब तक इसके उंपर एक व्यक्ति तलवार से प्राण घातक प्रहार कर दिया जब यह हल्ला किया तो इसके पिता सुभाष अग्रवाल भी उठाकर इसके पास आए तथा इसके उपर प्रहार करने वाले व्यक्ति को डण्डा से मारे तब एक अन्य व्यक्ति इसके पिता पर तलवार से प्रहार कर दिया जिस पर दोनों हल्ला करने लगे तो पास के फौजी ढ़ाबा से कुछ लोग इनके घर तरफ आने लगे तो हमलावर दोनों व्यक्ति वहां से भाग गए। दोनों हमलावर व्यक्ति चेहरे में गमछा बांधे थे जिस कारण उन लोगों को पहचान नहीं पाए। अज्ञात हमलावर का तलवार व एक व्यक्ति का गमछा झूमाझटकी में वहीं छूट गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 144/24 धारा 307, 394, 450 भादसं. व 25 आर्म्स के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित पर पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा गहनता से आरोपियों की पतासाजी लगी रही। इसी दौरान मुखबीर की सूचना पर संदेही सुनीता अग्रवाल, जगेश्वर चौधरी व मिथलेश चौधरी को पकड़ा गया। पूछताछ पर सुनीता अग्रवाल ने बताया कि उसके पति का दूसरी महिलाओं के साथ संबंध था जिस कारण उसे ऐसा करने से मना करती थी इसी बात पर दोनों का विवाद होता था इसी बीच जगेश्वर और मिथलेश से इसका परिचय हुआ और पति घर में बहुत पैसा रखे है, घर वालों को मारकर पैसा चोरी कर ले जाना और कुछ हिस्सा मुझे दे देना इसकी योजना बनाई और 25-26 जून की दरम्यानी रात्रि को मोबाईल से सम्पर्क दोनों को बुलाई और जगेश्वर व मिथलेश के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी की मौजूदगी में आरोपियों की शिनाख्ती कराने पर प्रार्थी के द्वारा आरोपियों की पहचान किया गया। मामले में आरोपी सुनीता अग्रवाल पति संजय अग्रवाल उम्र 30 वर्ष ग्राम लटोरी, जगेश्वर चौधरी पिता महेन्द्र चौधरी उम्र 30 वर्ष ग्राम द्वारिकानगर व मिथलेश चौधरी पिता विष्णु प्रसाद चौधरी उम्र 33 वर्ष ग्राम बैगापारा लटोरी, चौकी लटोरी को गिरफ्तार किया गया।

इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी लटोरी विराट विशी,प्रधान आरक्षक विशाल मिश्रा, सुशील मिश्रा,पिंगल मिंज,भीखराम भगत, आरक्षक नंदकिशोर राजवाड़े,इस्तयाक अहमद, अम्बिका मरावी, शोभनाथ कुशवाहा, महिला आरक्षक मुनेश्वरी पैंकरा सक्रिय रहे।

फेसबुक पर विज्ञापन देखकर ऋण के लिए आवेदन करना पड़ा महंगा,जालसाजों ने की ठगी

-संवाददाता-
जशपुर,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

जशपुर जिले के ग्राम खन्ताडांड़ कुरडेग निवासी गोकुल चंद पैकरा अंबिकापुर शहर में किराए का मकान लेकर आटो पार्ट्स दुकान में कार्य करता है. उसने फेसबुक में एक विडियो देखकर ऋण के लिए आनलाइन आवेदन किया था. दो दिन बाद उसके पास फोन आया. फोन करने वाले ने अपना नाम मन्नू प्रताप सिंह बताया.। खुद को महिंद्रा फाइनेंस कंपनी का प्रबंधक बताकर ऋण के बहाने प्रोसेसिंग फीस के रूप में सबसे पहले 1750 रूपये आनलाइन माध्यम से जमा कराया । इसके बाद ठगी का सिलसिला शुरू हो गया। ऋण से संबंधित दस्तावेज तैयार हो जाने की जानकारी जालसाजों ने दी.

ऋण राशि अधिक होने के कारण जीएसटी के नाम पर दो- दो हजार रूपये जमा करने का झांसा देकर उसके खाते से 53 हजार 100 रूपये फोन पे के माध्यम से जमा करा लिया। इसके बाद आरोपितों ने ऋण राशि रिलीज करने के नाम पर और रकम आनलाइन जमा करने कुछ मोबाइल नंबर दिए। पीड़ित गोकुल पैकरा ने अपने पिता के खाता से कुल 66 हजार 100 और जमा कर दिया। आखिरी में प्रोसेसिंग के नाम पर फिर 49 हजार रुपये की मांग की गई। इसमें से पांच हजार रुपये पीड़ित ने जमा भी कर दिए. इसके बाद भी आरोपितों द्वारा ऋण राशि जारी नहीं करने पर गोकुल को लगा कि वह ठगी का शिकार हो गया है। जब उसने फोन करने वालों से संपर्क किया तो वे और राशि की मांग करने लगे। तब उसे ठगी का पता चला। अब उसे जमा राशि भी वापस नहीं की जा रही है. थक हार कर उसने पुलिस से शिकायत की. कुल एक लाख 19 हजार रुपये की ठगी कर लिए जाने संबंधित दस्तावेज भी प्रस्तुत किया है। पुलिस ने अपराध पंजीकृत किया है. आरोपितो द्वारा उपयोग किए गए मोबाइल नंबर के आधार पर साइबर सेल की मदद ली जा रही है। तकनीकी जानकारी मिलने के बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिए जाने का दावा पुलिस कर रही है।

सूत्रों का कहना दलाल ने की थी पैसे की मांग...

क्या दलाल कर्मचारियों ने बर्बाद कर दिया जिला चिकित्सालय ?

जिला प्रशासन से मिला डॉक्टरों को आश्वासन...काम पर लौटे अब होगी सीएस प्रकरण की जांच...परिजनों का अभी भी कहना ईलाज के लिए हुई रूपयो की मांग...

परिजनों ने लगाया है पैसा मांगने का आरोप

इस बारे मे जो जानकारी सामने आई है उसके अनुसार एमसीबी जिले के हल्दीबाड़ी निवासी विकास केंवट का सड़क दुर्घटना में हाथ टूट गया था। जिसके बाद वे 21 जून की रात सीएस डॉ. राजेन्द्र बंसरिया के निवास पर पहुंचे थे, जिसके बाद कच्चा प्लास्टर करने के बाद ऑपरेशन के लिए 26 -27 जून को आने के लिए कहा गया था। इसके बाद मरीज विकास की मां कलावती उसे लेकर 27 जून को जिला चिकित्सालय पहुंचे यहां कच्चा प्लास्टर निकालने के बाद मरीज को ऑपरेशन कक्ष ले जाया गया था,और इसके बाद परिजन से पैसे की मांग की गई। तब परिजन ने इसकी शिकायत मोबाईल के माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल से की थी,शिकायत के बाद ही स्वास्थ्य मंत्री ने सीएमएचओ को प्रतिवेदन देने हेतु निर्देशित किया था। आनन-फानन में सीएमएचओ ने मंत्री को खुश करने सीएस का पक्ष लिये बगैर प्रतिवेदन स्वास्थ्य मंत्रालय भेज दिया और देर शाम ही सीएस को निलंबित करते हुए जेडी कार्यालय अंबिकापुर संलग्न कर दिया गया था।

जांच के बाद करनी थी कार्यवाही,लेकिन सीएमएचओ ने निभाई दुश्मनी

पूरे मामले में जानकारो का कहना है कि चूकिं जिला चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों एवं सीएमएचओ डॉ. सेंगर के बीच पूर्व डीपीएम के कारण दूरियां बढ गई हैं,सीएमएचओ द्वारा गुटबाजी कर दी गई है। वे चिकित्सको से दुश्मनी निभाते दिखाई देते हैं इसीलिए उनके द्वारा आनन-फानन में प्रतिवेदन भेज दिया गया था जबकि सीएस का पक्ष लिया जाना चाहिए था। सारे बिंदुओं पर जांच कर पक्ष लेने के बाद यदि कार्यवाही होती तो जाहिर सी बात है कि इतना बवाल नही होता लेकिन सीएमएचओ ने दुश्मनी निभाते हुए जिस प्रकार जल्दबाजी दिखाई इसी वजह से चिकित्सकों ने कार्यवाही का विरोध कर दिया था।

काम पर लौटे चिकित्सक,डॉ.भास्कर को अस्थायी प्रभार

सीएस का गुरूवार शाम निलंबन आदेश भेजा गया था जिसके बाद शुक्र वार सुबह चिकित्सकों ने अपात बैठक कर ओपीडी बंद कर दिया था। दिन भर मरीज परेशान रहे,जिला प्रशासन द्वारा भी इस पर लगातार नजर रखा गया था। देर शाम चिकित्सकों और जिला प्रशासन के बीच सुलह की खबरें मिली जिसके अनुसार अब सीएस मामले में जांच की जाएगी। सीएस के निलंबन के बाद शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. भास्कर मिश्रा को अस्थायी तौर पर प्रभार जिला प्रशासन द्वारा दिया गया है। जिला प्रशासन से मिले आश्वासन के बाद शनिवार को जिला चिकित्सालय में ओपीडी का सुचारू रूप से संचालन किया गया ।

-रवि सिंह-
कोरिया,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय स्थित जिला चिकित्सायल में चल रही भर्राशाही और अव्यवस्था थमने का नाम नही ले रही है,जिला चिकित्सालय में मरीजों के ईलाज का मामला हो या फिर साफ-सफाई का, हर प्रकार से यह चिकित्सालय सुर्खियां बटोर रहा है। एक ताजा मामला सीएस सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक का सामने आया जिसमें एक मरीज के परिजनों ने सीएस पर ऑपपरेशन के बदले पैसा मांगने का आरोप लगाया था,आरोप लगाये जाने के बाद आनन फानन में स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर सीएस को निलंबित कर दिया गया है जिसके बाद चिकित्सकों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए जिला चिकित्सालय में ओपीडी सेवा बंद कर दिया था देर शाम जिला प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद उन्होने ओपीडी सेवा शुरू करने का निर्णय लिया अब जिला प्रशासन द्वारा सीएस के मामले में जांच की जाएगी। स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मामले पर इस प्रकार का आलम बहुत ही आश्चर्यजनक विषय है और इससे कहीं ना कहीं सरकार की किरकिरी भी हो रही है। वहीं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का पड़ोसी जिला होने के बाद भी जिला चिकित्सालय में जो हाल देखने को मिल रहा है वह मंत्री की कार्यक्षमता को दर्शाता है उनके द्वारा जब यहां की व्यवस्था में सुधार नही किया जा सका तो बाकी का हाल क्या होगा यह आसानी से समझा जा सकता हैं।

घटती घटना
ना अपील,ना दलील,सीधे चिकित्सक को कर दिया निलंबित
स्वास्थ्य मंत्री के राज में यह कैसा बवाल?

आखिर कोई वरिष्ठ चिकित्सक क्यों नही बनना चाहता सीएस

कोरिया जिला चिकित्सालय लंबे समय से विवाद का केन्द्र बना हुआ है ज्यादा विवाद सीएमएचओ के कारण उत्पन्न होता है। पूर्व में डॉ. रामेश्वर शर्मा जब सीएमएचओ के प्रभार में थे उस दौरान भी सीएमएचओ और चिकित्सको के बीच तनातनी का माहौल था अब भी वही स्थिति बनी हुई है। बीच में बाहर से सीएस की नियुक्ति की गई थी लेकिन कुछ दिन बाद उनका भी तबादला कर दिया गया। लोकसभा चुनाव की अचार संहिता के ठीक पहले अस्थी रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र बंसरिया को सीएस बनाया गया था,लेकिन उनके द्वारा भी चिकित्सालय को नही सुधारा जा रहा था। इसी सप्ताह विधायक भैयालाल राजवाड़े भी जिला चिकित्सायल पहुंचे थे और उन्होने गंदगी सहित अन्य कमियां देखकर जमकर नाराजगी जताई थी।

दलाली में बर्बाद हुआ जिला चिकित्सालय जिस पर नही पड़ती किसी की नजर

वास्तव में जिला चिकित्सालय को जो आज आलम है उसके पीछे दलाल भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं। बतलाया जाता है कि दलालो ने पूरी व्यवस्था चैपट कर रखी है। दलाली वहां के कुछ नियमित एवं संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों द्वारा ही की जा रही है। दलाल सीएस एवं अन्य चिकित्सकों की लगातार आवभगत करते हैं। मौका पड़ने पर एवं अपना उल्लू सीधा ना होने पर नेताओं से चिकित्सकों की शिकायत एवं कमियों को भी दलाल बाहर पहुंचाते हैं। दलाल ब्लड बैंक से लेकर एंबुलेंस तक की व्यवस्था में बराबर हस्तक्षेप रखते हैं। बतलाया जाता है कि जब भी कोई वरिष्ठ अधिकारी या जनप्रतिनिधी निरीक्षण में आते हैं तो यह दलाल कान लगाकर उनके आगे पीछे घुमते हैं और फिर उसी का फायदा उठाते हैं। दलालों द्वारा गलत तरीके से आर्थिक लाभ भी अर्जित किया जाता है और उसी आय से चिकित्सकों का सेवा सत्कार किया जाता है। दलाल चिकित्सक एवं कोई भी सीएस हो उसका तरीके से आवभगत करके खुश रखते हैं जिससे की उनकी दलाली चलती रहे। दलाल ही जिला चिकित्सालय के मालिक बन कर बैठे हुए हैं और उनके द्वारा पूरी व्यवस्था को चैपट कर दिया गया है। मरीज एवं परिजन से एंबुलेंस एवं डीजल के नाम पर पैसा मांगना,उन्हे बेड उपलब्ध कराना,ब्लड दिलाना समेत अन्य सुविधा के बदले मोटी रकम की मांग दलालो द्वारा की जाती है। स्वास्थ्य विभाग की गोपनीय जानकारी भी दलालो द्वारा ही बाहर दी जाती है। देखा जाए तो इन दलाल कर्मचारियों की वजह से ही जिला चिकित्सालय दीमक की तरह चट हो रहा है लेकिन इन पर आज तक प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की नजर नही पड़ रही है जिससे इनके हौसले बुलंद हैं।

दलालो को शहर के नेताओं का आशीर्वाद

जिला चिकित्सालय में दलाल सक्रिय हैं यह बात शहर के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को भी अच्छी तरह से मालूम है। कांग्रेस हो या भाजपा सभी के नेता इन दलालो को पहचानते भी हैं और उनके करतूत से वाकिब भी हैं लेकिन उनके द्वारा कभी कोई आवाज नही उठाई जाती है उल्टे दलालो का समर्थन किया जाता है। दलालो के द्वारा सत्ता के हिसाब से आंका भी बदला जाता है,जब कांग्रेस की सरकार थी तब उनके आंका स्थानीय विधायक के चंगु-मंगु थे अब सरकार बदल जाने के बाद आंका भाजपा के स्थानीय नेता हो गए हैं जो जनता के हित का ढोंग करते फिरते हैं। जिला चिकित्सालय में पहुंचकर शहरी नेता सबसे पहले दलालो से ही संपर्क करते हैं और दलालो के द्वारा नेताओं का भी आवभगत कर उन्हे खुश किया जाता है जिससे कि सब कुछ जानते हुए भी शहरी नेता चुप रहते हैं और दलालो का बचाव किया जाता है। आखिर क्या कारण है कि दलालों की जानकारी होने के बाद भी कभी भी नेता उनके खिलाफ आवाज नही उठाते। सब कुछ जानते हुए भी जिला चिकित्सालय में दलालो को मजबूत करने का काम इन नेताओ द्वारा ही किया जा रहा है जो कि अत्यंत शर्मनाक है।

क्या दलाल ने मांगे थे रूपये ?

जिला चिकित्सालय के सूत्रों का कहना है कि मरीज के परिजन से पैसे की मांग दलाल के द्वारा की गई थी,दलाल सीएस का खास है। नेताओं से संबंध का हवाला देकर दलाल चिकित्सकों को बरगला कर अपने कब्जे में रखता है।

अब दलालो को दूर करना घटती-घटना की प्राथमिकता

जिला चिकित्सालय में भर्राशाही लंबे समय से व्याप्त है,दलालो के कारनामों की खबरें भी लगातार सामने आती है। चिकित्सक मुख्य पेशे से भटककर ज्यादा आर्थिक लाभ में मस्त हैं। गरीब तबके का मरीज इस कदर परेशान है कि उसे चिकित्सालय आकर परेशानी उठानी पड़ रही है। कुल मिलाकर चिकित्सालय राजनीति और परेशानी का केन्द्र बन गया है। दलालो ने इसे अपने कब्जे में ले लिया है, उन दलालो की पहचान घटती-घटना को है, और जब तक इन दलालों को जिला चिकित्सालय से दूर नही कर दिया जाएगा तब तक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए खबर का प्रकाशन किया जाएगा,हर रोज किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों समेत जिला प्रशासन एवं जिम्मेदार नागरिकों से भी आग्रह है कि वे इस मुहिम से जुड़े और मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने में अग्रणी भुमिका निभा रहे जिला चिकित्सालय के दलालों को बाहर हटाते तक इस अभियान में साथ दें।

पिता-पुत्र के नाम पर चर्चित अक्सा राईस मिल हुई अंततः ब्लैक लिस्टेड

क्या इनकी काली करतूतो पर पर्दा डालने का काम कर रहे हैं,क्षेत्रीय विधायक और मंत्री ?

क्या इनके इनके अक्षमय अपराध को छुपाने के लिए कलेक्टर और फूड ऑफिसर पर बनाया जा रहे हैं अनावश्यक राजनीतिक दबाव ?

-रवि सिंह-
एमसीबी,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

अक्सा राइस मिल बेलबहरा द्वारा कलेक्टर के समक्ष आवेदन दिया गया था कि धान उपार्जन केन्द्र कुवांरपुर में धान का स्टॉक उपलब्ध नहीं है। इस शिकायत की जांच हेतु 4 सदस्यीय दल का गठन किया गया था। जिसकी रिपोर्ट के अनुसार 04 मार्च 2024 की स्थिति में उक्त उपार्जन केन्द्र में 775 बोरी धान पाया गया, जबकि खरीदी रिपोर्ट अनुसार उपार्जन केन्द्र में 7511 बोरे धान उपलब्ध होना चाहिए था। इसके पश्चात् 17 मार्च 2024 को उपार्जन केन्द्र में धान भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं था, जबकि ऑनलाईन खरीदी रिपोर्ट के अनुसार 3661 बोरी धान उपलब्ध होना चाहिए था। धान पर्याप्त उपलब्ध नहीं होने के बावजूद अक्सा राइस मिल द्वारा 04 मार्च 2024 से 17 मार्च 2024 के मध्य 1196.00 क्विंटल धान का उठाव ऑनलाइन दिखाया गया है। जो कि विश्वसनीय नहीं है। इसके संबंध में अक्सा राईस मिल बेलबहरा को 28 मार्च 2024 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जिसका उत्तर इन्होंने 01 अप्रैल 2024 को प्रस्तुत किया। इनका उत्तर संतोषजनक नहीं पाये जाने के कारण छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 की कण्डिका 9 अंतर्गत शास्ति की कार्यवाही करते हुये इस राईस मिल का नाम काली सूची में दर्ज करने की अनुशंसा की गई है।

उल्लेखनीय रहे कि इन सभी राइस मिल संचालकों को मंडियों से धान उठाना पड़ता है कुमारपुर में अक्सा राइस मिल के नाम पर डी ओ काटा गया था, जब राइस मिल संचालक अपनी गाड़ी कुंवरपुर मंडी में भेजो तो पाया कि वहां पर धान नहीं है, जिसकी शिकायत राइस मिल संचालक ने कलेक्टर सहित फूड ऑफिसर को की, वहां से इसे 1200 क्विंटल धान उठाना था, लेकिन मौके पर स्टॉक जीरो था, क्योंकि सरकार 31 प्रति क्विंटल के दर से धान खरीदी है और मध्य प्रदेश से 2000 प्रति क्विंटल धान मिल जाता है, मंडी संचालक किसानों की फर्जी एंट्री कर लेते हैं और लगभग 1100 प्रति क्विंटल के दर से दलाली कमा लेते हैं यह सिलसिला पूरे प्रदेश में बड़े जोर शोर से चल रहा है जिले में पूर्व में भी ऐसी घटनाएं घटी थी जिसे पूर्व कलेक्टरों ने जिले की बदनामी ना हो इसलिए अपने स्तर में निपटा लेने की बात कही थी, इस बार भी ऐसे ही हुआ अधिकारियों ने निर्देशित किया कि उसे अपने स्तर में निपटा लें मंडी का प्रभारी ने राइस मिल संचालक को 12 से क्विंटल का पैसा दे दिया और माल उठाने का पावती दे दी, इस भ्रष्टाचार में लगभग 13 लाख रुपए का खेल खेला गया इस बात की जब भनक फूड अफसर को लगी तो वह कुमार पुर मंडी पहुंचकर पुनः स्टॉक रजिस्टर का भौतिक सत्यापन किया तो यह पाया कि चावल अक्स राइस मिल ने पूरा उठा लिया है उन्होंने अपने पत्र में यह लिखा कि एक तरफ आप शिकायत करते हैं कि चावल नहीं मिल रहा है दूसरी तरफ अपने वहां से चावल उठा लिया है आप उसका स्पष्टीकरण देवें राइस मिल संचालक का कोई ठोस जवाब नहीं मिलने के कारण अंतत उसे फूड अफसर में ब्लैक लिस्ट स्टेट करने की कार्रवाई करवा दी।

राइस मिल संचालक का भ्रष्टाचार और हेरा फेरी से पुराना याराना

विशेष सूत्रों की माने तो राइस मिल संचालक का भ्रष्टाचार और हेरा-फेरी का बड़ा पुराना बड़ा पुराना याराना है,संचालक जो कल तक बाजारों में फट्टा लगाकर महुआ डोरी चावल धान खरीदता था आज वह तीन चार राज्यों में अपना पूरा काला कारोबार फैला रखा है छत्तीसगढ़ के अलावा इसने मध्य प्रदेश की सीमा में भी एक राइस मिल संचालन कर रहा है इसने अपने शातिर दिमाग का इस्तेमाल कर एक नई राइस मिल लगाकर वहां से 3000 रुपए प्रति क्विंटल के दर से धान को खरीदना है मध्य प्रदेश का सरकारी खरीदी मूल्य धान का 2300 प्रति क्विंटल है इसके अतिरिक्त धान में मध्य प्रदेश में मंडी टैक्स नहीं लगता, वहां से चावल का बिल बनाकर छत्तीसगढ़ में खपा रहा है इस तरह से यह अपना षड्यंत्रकारी दिमाग लगाकर एक क्विंटल चावल में 7 से 8 सौ रूपए ऐसे कमा लेता है। इसका भ्रष्टाचार यही नहीं खत्म होता है इसके द्वारा मंडियों से चावल उठाकर झारखंड और बिहार के औरंगाबाद और आरा के व्यापारियों को लगातार कई गाड़ियों के माध्यम से माल लोड कर रोज भेजा जाता है, जितना धन इसके द्वारा मंडियों से उठाया गया है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभी इनके राइस मिल में उतना माल स्टॉक नहीं है पूरा माल औरंगाबाद और आरा भेज दिया गया है और बिहार से पुराना चावल लाकर सोसाइटियों में दिया जा रहा है,इसके द्वारा जिन सोसाइटियों गोदाम में चावल दिया गया है यदि उसकी बारीकी जांच हो तो वास्तविकता का पता लग जाएगा, लेकिन गुणवत्ता चेक करने वाले अधिकारी भी चंद पैसों में बिके हुए हैं पैसे पाते ही गुणवत्ता को दरकिनार कर दिया जाता है और इस तरह से इन जैसे शातिर व्यापारियों के कारण आम जनता को घटिया और पुराना चावल खाने को मिल रहा है, जिसकी शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों को की जाती रही है लेकिन उनके द्वारा किसी भी तक प्रकार की कार्यवाही नहीं किया जाता है।

नीचे महुआ और ऊपर चावल लाद अवैध तरीके से अन्य राज्य में होती है सप्लाई

सूत्रों की माने तो राइस मिल संचालक महुआ का भी क्षेत्र का सबसे बड़ा व्यापारी है यह अपने राइस मिल में एक और कालाबाजारी करता है महुआ में सरकार द्वारा जीएसटी और मंडी कर वसूला जाता है यह व्यापारी यहां से महुआ खरीद कर झारखंड और बिहार पश्चिम बंगाल तक भेजने का काम करता है इसके द्वारा प्रतिदिन कई गाड़ियों में अपने राइस मिल कैंपस के अंदर नीचे महुआ और ऊपर चावल लाद कर भेजने का काम लगातार किया जा रहा है और पूरे ट्रक में जो पर्ची बनाई जाती है वह चावल की बनाई जाती है इस तरह से या राज्य सरकार का प्रतिदिन ट्रक लाखों रुपए का नुकसान कर रहा है,रोजाना कई ट्रक इसके द्वारा दूसरे प्रदेशों में भेजे जा रहे हैं और ना ही मंडी टैक्स कटाया जा रहा है और ना जीएसटी दी जा रही है मिली जानकारी के अनुसार एक बार जीएसटी के अधिकारियों ने कार्यवाही की थी उसके बाद इसके द्वारा उन्हें चांदी के जूते के मार के आगे जीएसटी अधिकारी भी नतमस्तक हो गए और यह अपना खेल बड़े पैमाने में खेल रहा है प्रतिदिन दर्जनों गाड़ी बिल अवैध बिल फर्जी बिल बनाकर झारखंड पश्चिम बंगाल बिहार की तरफ यह रवाना करता है। पैसों का आदान-प्रदान यह हवाला के माध्यम से करता है, मनेद्रगढ़ के दो चर्चित दलाल राइस मिल संचालक इसके गोरख धंधे में पूरा मदद करते हैं, उनका भी पैसा कभी इसके पास आ जाता है और कभी इसका पैसा उनके पास आ जाता है इस तरह से यह लोग कहते और अकाउंट में काम नहीं और सरकार के टैक्स पर डाका डाल रहे हैं ना इस कारोबार का इनके द्वारा मंडी टैक्स पटाया जाता है ना ही जीएसटी पटाया जाता है और ना ही इनकम टैक्स पटाया जाता है संबंधित अधिकारी यदि क्र मशः उनके इस काले कारनामों को छापामार कार्रवाई कर जांच करें तो उनके कई भ्रष्टाचार का और उजागर होने की प्रबल संभावना बनी हुई है।

क्रिटिकल केस बता 102 ने किया मना, देवदूत बनकर पहुँची 108 की टीम

गर्भवती महिला की प्री-मेच्योर डिलवरी

-संवाददाता-
सुरजपुर 29 जून 2024
(घटती-घटना)।

जिले के प्रेमनगर ब्लॉक में बीते गुरुवार को एक गर्भवती महिला और पेट में पल रहे शिशु की जान आफत में फंस गई। 5 माह की गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गया। परिजनों ने प्रसव पीड़ा शुरू होने पर 102 महतारी एक्सप्रेस को फ़ोन कर सूचना दी। किन्तु वहां से केस को क्रि टिकल बताकर पल्ला झाड़ दिया गया। ऐसे में परिजनों ने फिर 108 संजीवनी एक्सप्रेस को इसकी सूचना दी। 108 की टीम संजीवनी बनकर आई। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम आनंदपुर ब्लॉक प्रेम नगर निवासी सीता मानिकपुरी उम्र 26 पांच माह से गर्भवती थी। गुरुवार की शाम एकाएक प्रसव पीड़ा होना शुरू हो गया। इसकी सूचना घर वालों ने 102 महतारी एक्सप्रेस को दी। उन्होंने केस की गंभीर बताकर आने से मना कर दिया। इसके बाद परिजनों ने 108 को फोन कर सूचना दी। सूचना मिलते ही 108 के पायलट लखपति राजवाड़े और ईएमटी बीरेंद्र कृष्ण कुशवाहा केस की गंभीरता को देखते हुए तुरन्त गांव पहुँचे। यहां उन्होंने देखा कि गर्भवती सीता मानिकपुरी दर्द से व्याकुल है। गर्भवती महिला को तुरंत एम्बुलेंस में बैठाकर वे सीएचसी प्रेमनगर के लिए निकले। एम्बुलेंस बमुश्किल 3 किलोमीटर पहुँची थी कि गर्भवती महिला को तेज प्रसव पीड़ा होने लगी और शिशु बाहर आने लगा। ऐसे में ईएमटी बीरेंद्र कुशवाहा ने ईआरसीपी के माध्यम से डॉक्टर से परामर्श ली और उनके सलाहनुसार मितानिन की मदद से महिला का सुरक्षित प्रसव कराया। गर्भवती महिला सीता ने बेटी को जन्म दिया। बच्ची का वजन 5 से 7 सौ ग्राम के बीच है। जन्म के पश्चात तुरन्त दोनों को सीएचसी प्रेम नगर ले जाया गया। जहां डॉक्टरों द्वारा महिला एवं उनकी बेटी को जिला अस्पताल सूरजपुर के लिए रेफर कर दिया गया। फिरहाल माँ और नवजात बेटी को डॉक्टरों द्वारा निगरानी में रखकर उपचार किया जा रहा है।

वाह! विधायक जी...आपने तो निज सहायक को ही बना दिया शाला विकास समिति का अध्यक्ष...क्या आपके पास नही है और कोई कार्यकर्ता ?

आत्मानंद स्कूलों में हुई है नियुक्ति,जिनकी हुई नियुक्ति उनमें से किसी के बच्चे नही पढ़ते शासकीय स्कूल में ऐसे नियुक्तियों से कार्यकर्ताओं में दिखती है नाराजगी

जिनके घरों के बच्चे जाते हैं निजी स्कूल वही होंगे शासकीय उत्कृष्ट स्कूलों के शाला प्रबंध समिति अध्यक्ष

पटना आत्मानंद स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव से दिन नहीं बुलाए गए नए अध्यक्ष... अध्यक्ष हैं खफा

पटना आत्मानंद स्कूल में कांग्रेस नेताओं को मिला ज्यादा तवज्जो,नए अध्यक्ष को भी बुलाया नहीं गया,नए अध्यक्ष हुए नाराज:सूत्र

स्कूल में पढ़ाई हो बेहतर इसको लेकर नही है किसी को चिंता,माला पहनने और फीता काटने की है होड़...

-रवि सिंह-
कोरिया,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश के पूर्व मंत्री और बैकुंठपुर के विधायक भईयालाल राजवाड़े के द्वारा क्षेत्र के आत्मानंद स्कूलों के लिए अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है,नियुक्ति ऐसी कि उनके द्वारा अपने एक निज सहायक को ही शाला विकास समिति का अध्यक्ष बना दिया गया है,स्वाभाविक है ऐसी नियुक्तियों से अन्य कार्यकर्ताओं के मन में नाराजगी उठती है और इसका असर चुनाव आने पर देखने को मिलता है, सवाल उठता है कि क्या आखिर विधायक के पास निज सहायक के अलावा अन्य कोई कार्यकर्ता इस लायक है या पार्टी के पास ऐसा कोई नहीं है जिनकी नियुक्ति शाला विकास समिति अध्यक्ष के रूप में की जा सके। हलाकि लोगो का कहना है कि उक्त निज सहायक विधायक के इर्द गिर्द रहते हैं और लोगो के खिलाफ विधायक की कान भरते हैं ह हर किसी को बुरा बतलाकर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं उक्त निज सहायक के द्वारा कई कार्यो में हस्तक्षेप किये जाने की जानकारी भी सूत्रों से मिल रही है।

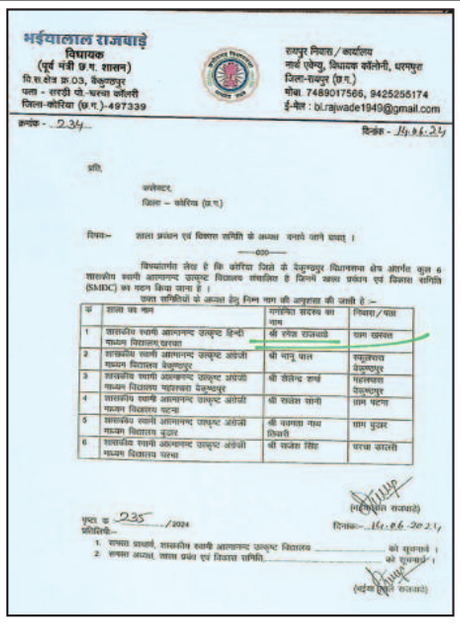

भईयालाल राजवाड़े
विधायक
(पूर्व मंत्री छ.ग. शासन)
वि.स.क्षेत्र क्र.03, बैकुण्ठपुर
पता - सरड़ी पो.-चरचा कॉलरी
जिला-कोरिया (छ.ग.)-497339

रायपुर निवास / कार्यालय
नार्थ एवेन्यू, विधायक कॉलोनी, धरमपुरा
जिला-रायपुर (छ.ग.)
मोबा. 7489017566, 9425256174
ई-मेल : bl.rajwade1949@gmail.com

क्रमांक - 234 दिनांक - 14.06.24

प्रति,
कलेक्टर
जिला – कोरिया (छ.ग.)

विषय:- शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष बनाये जाने बाबत् ।

निज सहायक का हस्तक्षेप बढ़ा

बतलाया जाता है कि विधायक भईयालाल राजवाड़े द्वारा रमेश राजवाड़े समेत तीन अन्य लोगों को निज सहायक के रूप में नियुक्त किया गया है लेकिन इनमें से रमेश राजवाड़े के द्वारा हर कार्यो में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप किया जाता है। निज सहायक के द्वारा अन्य सहयोगियों को नीचा दिखाने का काम कर खुद को सुपर साबित करने की कोशिश की जाती है।

ऐसे मनमाफिक नियुक्तियों से बढता है आक्रोश

किसी भी सरकार में पद में बैठे विधायक और मंत्री द्वारा मनमाफिक नियुक्तियां शुरू कर दी जाती हैं उनके द्वारा वरिष्ठों और अन्य समर्थकों को तवज्जो ना दिये जाने से ही चुनाव में परेशानी उठानी पड़ती है। नेता आउट ऑफ कंट्रोल हो जाते हैं जिससे कि आक्र ोश दिखलाई देने लगता है। देखा जाए तो पूरी नियुक्तियों में पार्टी के वह कार्यकर्ता नाराज हो गए हैं जो कहीं न कहीं जमीनी कार्यकर्ता होते हैं।

चुनाव में हर कार्यकर्ता ने दिया साथ फिर एक ही कार्यकर्ता को पद क्यों?

विधायक भईयालाल राजवाड़े 2018 का चुनाव खुद की कमियों से हार गए थे उनके द्वारा भी मंत्री कार्यकाल में भाजपाईयों से ज्यादा कांग्रेसियों को महत्व दिया जा रहा था,कार्यकर्ता निराश थे और उन्होने साथ नही दिया था जिससे कि चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। बीते विधानसभा चुनाव में एक बार फिर कार्यकर्ता एकजुट हुए और पूरी ईमानदारी के साथ उन्होने साथ दिया तब जाकर चुनाव में ऐतिहासिक जीत मिली। अब देखने मे मिल रहा है कि कुछ चुनिंदा कार्यकर्ताओं को ही विधायक द्वारा महत्व दिया जा रहा है। वहीं निज सहायक बनाया गया कार्यकर्ता रमेश राजवाड़े कुछ ज्यादा ही भारी दिखलाइे दे रहा है इसके पीछे क्या कारण है यह तो समझ से परे है लेकिन यह पार्टी के ईमानदार कार्यकर्ताओं के गले नही उतर रहा है। वैसे एक अन्य स्कूल में भी ऐसे व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया गया है जो विधायक के ही एक खास के भाई हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो नियुक्तियों में कार्यकर्ताओं की मेहनत से ज्यादा यह ध्यान दिया गया है की कौन कितना प्रभावशाली है और कौन धनाढ्य है।

दूसरों के खिलाफ बरगलाने में माहिर है निज सहायक

सूत्रों का कहना है कि रमेश राजवाड़े विधायक भैयालाल राजवाड़े के साथ काफी समय से लगा हुआ है और इस कारण मुंह लग गया है,किसी के खिलाफ भी जबरन भड़काना,अपना उल्लू सीधा करना और दूसरों की कमियां गिनाने का काम रमेश राजवाड़े द्वारा किया जाता है। उसके द्वारा विधायक समर्थक कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ भी पीठ पीछे षडयंत्र किया जाता है, अपना काम निकालने के लिए हाथ पैर जोड़ा जाता है और काम निकल जाने के बाद पीठ पीछे षडयंत्र करना आदत में शामिल है। बतलाया जाता है कि निज सहायक के रूप में नियुक्ति के बाद सत्ता का नशा भी सर चढकर बोल रहा है। एक तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि बीते दिनों निज सहायक रमेश राजवाड़े द्वारा नालंदा परिसर भ्रमण के वक्त विधायक के बगल में बैठकर मर्यादाओं को तार-तार करते हुए खुद को सुपर बतलाने की कोशिश की जा रही है। विधायक भैयालाल राजवाड़े को ऐसे स्वार्थी और खुद का लाभ चाहने वाले कार्यकर्ताओं से दूर रहना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं को भी बुलाया प्राचार्य पटना ने,नाराजगी का एक कारण यह भी मनोनित अध्यक्ष:सूत्र

मनोनित अध्यक्ष के नाराजगी का एक कारण यह भी बताया जा रहा है की पटना में शाला प्रवेश उत्सव के दौरान प्राचार्य द्वारा कांग्रेस नेताओं को भी बुलाया गया था। कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति मनोनित अध्यक्ष को पसंद नहीं आई और वह इसके लिए भी नाराज हैं। भाजपा के नेताओं की उपस्थिति को लेकर भी उनकी नाराजगी है क्योंकि उन्हे नहीं बुलाया गया अन्य को बुलाया गया। वैसे अध्यक्ष के परिवार के बच्चे किसी शासकीय स्कूल नहीं जाते यह बात महत्वपूर्ण है।

शाला प्रवेश उत्सव के दिन पटना आत्मानंद विद्यालय में नियुक्त किए गए अध्यक्ष हुए नाराज,नहीं बुलाया गया उन्हे विद्यालय:सूत्र

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शाला प्रबंध समिति का अध्यक्ष बनने ऐसी होड़ है की कोई किसी को भी पछाड़ने तैयार है वह भी यह सभी वह लोग हैं जो पूर्व के कार्यकाल में भी कई पदों पर महत्वपूर्ण रह चुके हैं और अब उन्हे ही पुनः मौका दिया जा रहा है कर्मठ और जमीनी कार्यकर्ता को फिर किनारे ही किया जा रहा है।अध्यक्ष बनाए गए पटना के भाजपा नेता को धरना प्रदर्शन और पार्टी की अन्य गतिविधियों में कम ही देखा जाता है और वह अधिकांश समय अपने व्यापार को ही देते हैं। सामाजिक रूप से जिस समाज से वह आते हैं उसका वोट बैंक है मजबूत लेकिन उस समाज से कई को लाभ पार्टी से मिलता रहता है। सूत्रों का जैसा कहना है की पटना के विद्यालय के लिए अध्यक्ष बनाए गए ग्राम के व्यापारी को शाला प्रवेश उत्सव के दिन विद्यालय से न्यौता नहीं मिला उस दिन भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता को बुलाया गया जिससे वह नाराज हो गए हैं और अब वह नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। वैसे विद्यालय परिवार ने उन्हे क्यों नहीं बुलाया यह वह जाने लेकिन जैसा बताया जा रहा है उस अनुसार वह नाराज हैं। वैसे भाजपा के नेता जिन्हे शाला समिति का अध्यक्ष बनाया गया है वह भाजपा नेताओं को उन्हे छोड़कर बुलाए जाने से खासे खफा हैं।

आत्मानंद स्कूलों में की गई है नियुक्ति

कोरिया जिले में 6 आत्मानंद विघालय संचालित हैं जिनमें शाला प्रबंधन एवं विकास समिति का गठन किया जाना है,इस आशय का पत्र विधायक भईयालाल राजवाड़े ने पिछले दिनों कलेक्टर को अनुशंसा सहित प्रेषित किया है। पत्र के अनुसार आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय खरवत में रमेश राजवाड़े,स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बैकुंठपुर मे भानूपाल,स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय महलपारा बैकुंठपुर में शैलेन्द्र शर्मा,स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पटना में राजेश सोनी,स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम बुढार में कामतानाथ तिवारी एवं स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चरचा में राजेश सिंह की नियुक्ति की गई है। ज्ञात हो कि इनमें से रमेश राजवाड़े को पूर्व में विधायक भईयालाल राजवाड़े द्वारा निज सहायक भी नियुक्त किया गया है जबकि भानूपाल नगरपालिका बैकुंठपुर में एवं राजेश सिंह नगरपालिका शिवपुर चरचा में पार्षद हैं।

क्या निज सहायक को अध्यक्ष बनाना जरूरी था?

विधायक द्वारा निज सहायक को अध्यक्ष बनाये जाने के बाद से तमाम तरह के सवाल उठने लगे हैं पार्टी से ही जुड़े लोगो का कहना है कि आखिर क्या मजबूरी है कि निज सहायक को ही शाला विकास समिति का अध्यक्ष बना दिया गया है जबकि विधायक के मंत्री कार्यकाल में प्रतिनिधी रहे रेवा यादव जैसे कर्मठ कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया गया है। बताया जा रहा है की रमेश राजवाड़े की नियुक्ति से भाजपा के कार्यकर्ता भी नाराज हैं और खुद को वह उपेक्षित महसूस कर रहे हैं क्योंकि रमेश राजवाड़े निज सहायक भी हैं और वह अब एक और पद पर कब्जा कर लिए।

कई कार्यकर्ता हुए नाराज

उक्त नियुक्तियों के बाद विधायक एवं पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने तीखी प्रतिक्रि या दी है,कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिसे निज सहायक बनाया गया है उसे ही शाला विकास समिति का अध्यक्ष बनाया जाना समझ से परे है। विधायक द्वारा ऐसा करके अन्य कार्यकर्ताओं की भावना को ठेस पहुंचाया गया है। ज्ञात हो कि जिस खरवत क्षेत्र में स्थित आत्मानंद विद्यालय में निज सहायक रमेश राजवाड़े को शाला विकास समिति का अध्यक्ष बनाया गया है वह विधायक भईयालाल राजवाड़े का गृह क्षेत्र है एवं इस क्षेत्र में कई योग्य कार्यकर्ता हैं जिन्हे शाला विकास समिति का अध्यक्ष बनाया जा सकता था।

बड़े पदाधिकारी हो रहे नजरअंदाज,छुटभैये का जलवा

विधायक भईयालाल राजवाड़े द्वारा शाला विकास समिति के अध्यक्ष के मनोनयन में जिस प्रकार की मनमर्जी की गई है वह उचित नही लगता। ऐसे नियुक्त्यिों के समय पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भी सलाह लिया जा सकता है लेकिन उन्हे दरकिनार कर छुटभैये कार्यकर्ता को निज सहायक और उसके बाद शाला विकास समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। शाला विकास समिति के अध्यक्ष जैसे पद के लिए वैसे तो वरिष्ठ और अनुभवी को ही मौका दिया जाना चाहिए लेकिन निज सहायक को ही नियुक्त किये जाने से आक्र ोश दिखलाइे दे रहा है।

जिनकी हुई नियुक्ति किसी का शासकीय स्कूलों से नही है सरोकार

बैकुंठपुर विधानसभा में 6 आत्मानंद विद्यालय संचालित हैं जहां शाला विकास समिति के अध्यक्ष मनोनीत किये गए हैं,सबसे मजेदार बात यह है कि जिन 6 लोगो की नियुक्ति की गई है उनमें से किसी के बच्चे शासकीय स्कूलों में पढाई नही करते। जिनका शासकीय स्कूलों से सरोकार ही ना हो उन्हे नियुक्त किया जाना हास्यप्रद है। वैसे बताया जाता है की शासकीय शाला में या निजी विद्यालय में शाला समिति का अध्यक्ष या संरक्षक उसे ही बनाया जाता है जिनके बच्चे वहां पढ़ते हों क्योंकि गुणवत्ता के हिसाब से ऐसा किया जाना सही माना जाता है और ऐसे में पालक जो अध्यक्ष और सदस्य बनता है वह बेहतर नजर गतिविधियों पर बनाए रखता है।

आबकारी विभाग ने अन्य प्रांत से लाए गए 912 पाव अंग्रेजी मदिरा के साथ दो लोगों पर की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा कलेक्टर श्री वसंत के निर्देश पर और सहायक आयुक्त आबकारी सौरभ बख्शी के मार्गदर्शन में दिनांक 29/06/2024 को डॉ सुकांत पांडेय आबकारी उपनिरीक्षक द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर NH130 बिलासपुर अंबिकापुर हाईवे में पहाड़ थाना कटघोरा के पास घेराबंदी कर अनुपपुर से चोटिया पसान रास्ते से आ रही वाहन बोलेरो क्रमांक MP65 ZB 4549 को रोका गया। वाहन में नवीन शिवहरे एवं मनोज खटिक उपस्थित मिले । वाहन की तलाशी लिए जाने पर 6 पेटी सिग्नेचर,5 पेटी मैकडॉवेल्स नंबर 1,5 पेटी रॉयल स्टेज पाव,03 पेटी ब्लेंडर प्राइड कुल 912 पाव कुल 164.16 बल्क ली. मदिरा बरामद किया गया । सभी मदिरा पेटियों की कुल कीमत 268080 समेत वाहन अनुमानित मूल्य 1171000 कुल अनुमानित मूल्य 1439080 रुपए को जब्त किया गया, साथ ही आरोपीयों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क), 34 (2), 36, 59(क) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी 1) नवीन शिवहरे पिता दुर्गेश उम्र 29 वर्ष साकिन जैतहारी थाना अनूपपुर राज्य मध्यप्रदेश 2) मनोज खटीक पिता छेदीलाल उम्र 32 वर्ष साकिन मनेंद्रगढ़ ज़िला कोरिया को जेल दाखिल करने की कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक डॉ सुकान्त पांडेय,आशीष उप्पल आबकारी मुख्य आरक्षक अजय तिवारी नगर सैनिक राजेश दुबे,प्रजेश सिंह एवम् अंबिका का सराहनीय योगदान रहा ।

30 जून को प्री बीएड एवं प्री डीएलएड परीक्षा हेतु केंद्राध्यक्षों की ली बैठक

-संवाददाता-
कोरबा,29 जून 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा रविवार 30 जून को आयोजित होने वाली प्री बी-एड एवं प्री डीएलएड 2024 परीक्षा के संबंध में नोडल अधिकारी सहित केंद्राध्यक्षों की बैठक ली। उन्होंने परीक्षा हेतु संबंधित केंद्रों में आवश्यक तैयारी सुनिष्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा का कार्य विश्वसनीयता, गोपनीयता और गंभीरता से जुड़ा होता है। इस कार्य में किसी प्रकार की चूक व लापरवाही न की जाए। परीक्षा का संचालन दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए संपन्न किया जाए। उन्होंने केंद्राध्यक्षों को सावधानी एवं सतर्कता के साथ परीक्षा संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्री बीएड एवं प्री डीएलएड 2024 परीक्षा के संबंध में बैठक लेते हुए कलेक्टर ने सभी केंद्राध्यक्षों को उनके कर्तव्यों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में दी जाने वाली आवश्यक सुविधाएं परीक्षा के पूर्व सुनिश्चित कर ली जाएं। परीक्षा के संबंध में व्यापमं द्वारा जो भी दिशा-निर्देश है उसका पालन करते हुए केंद्र में आवश्यक व्यवस्था की जाए। कलेक्टर ने परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु बनाए गए मार्गदर्शन केंद्र के माध्यम से उनकी समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान नोडल अधिकारी श्री विकास चौधरी, परीक्षा समन्वयक डॉ. श्रीमती साधना खरे उपस्थित थीं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली 10 बजे से 12:15 बजे तक तथा द्वितीय 02 बजे से 04:15 बजे तक आयोजित होगी। जिले में 34 परीक्षा केंद्रों पर 11,981 एवं द्वितीय पाली 43 परीक्षा केंद्रों में 14,884 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय ईवीपीजी महाविद्यालय रजगामार रोड को मार्गदर्शन केंद्र बनाया गया है। मार्गदर्शन केंद्र का दूरभाष नंबर 07759-221458 है।

पहली बार मेडिकल कॉलेज पहुंचीं सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कोरबा का मेडिकल कॉलेज मध्य भारत का बेहतर मेडिकल कॉलेज बनेगा

-संवाददाता-
कोरबा 29 जून 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत निर्वाचन के उपरांत पहली बार कोरबा प्रवास पर पहुंचीं। सांसद ने प्रवास के दौरान बिसाहूदास महंत स्मृति चिकित्सा संस्थान (मेडिकल कॉलेज) झगरहा पहुंचीं और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इससे पहले सांसद ने अस्पताल में स्थापित स्व.बिसाहू दास महंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् कर आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण कर मेडिकल प्रबंधन की बैठक ली। प्रबंधन ने सांसद को अवगत कराया कि पहले इस मेडिकल कॉलेज में मात्र 35 चिकित्सकों की उपलब्धता थी लेकिन आवश्यकतानुसार पूर्ति करते हुए वर्तमान में 122 चिकित्सक और विशेषज्ञ यहां सेवाएं दे रहे हैं। प्रबंधन ने सांसद को बताया कि लगभग इतने ही चिकित्सकों के पद और यहां भरे जाने हैं, जिसके लिए प्रक्रियाएं की जा रही हैं। सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि मेडिकल कॉलेज खुलने के बाद जिला अस्पताल में चिकित्सकीय सुविधाओं में इजाफा हुआ है,

यहां पर मरीजों की संख्या में भी व्यापक वृद्धि हुई है। प्रारंभ के वषो में अनेक प्रकार की कठिनाईयों का सामना भी मेडिकल प्रबंधन कर रहा है। इन कठिनाईयों को हम सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर दूर करना है और मेडिकल कॉलेज में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मिल सके, इस ओर ध्यान देने के साथ-साथ कोरबा के अलावा आसपास के जिलेवासियों को भी इसका व्यापक लाभ मिले ऐसा प्रयास किया जाएगा। सांसद ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकीय टीम व छात्र-छात्राओं के लिए वर्तमान में आवास और हॉस्टल की सुविधा के संदर्भ में अवगत कराया गया है, इसके लिए जिला प्रशासन और निजी व सार्र्वजनिक उपक्रमों के साथ-साथ खनिज न्यास से दूर करने का प्रयास किया जाएगा। सांसद ने यह भी कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार से जारी राशि के अलावा मेडिकल कॉलेज में पर्याप्त सुविधाओं व संसाधनों के लिए जिले को मिलने वाले खनिज न्यास की राशि का भी उपयोग किए जाएंगे। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं से भी मिलकर संवाद किया। उन्हें आश्वस्त किया कि आने वाले दिनों में और भी बेहतर सुविधाएं इस चिकित्सा संस्थान में देने के लिए वे लगातार प्रयासरत हैं। आने वाले समय में उच्च स्तरीय सुविधाओं की उपलब्धता यहां सुनिश्चित होगी। मेरा प्रयास है कि कोरबा का मेडिकल कॉलेज छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि मध्य भारत का बेहतर मेडिकल कॉलेज बनेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.अविनाश मेश्राम, डॉ.रविकांत जाटवर, सिविल सर्जन डॉ. गोपाल कंवर, कांग्रेस नेता हरीश परसाई, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कार्पोरेशन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202406020700072

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2023-24
सरईटिकरा (प.ह.नं.00025हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-मुनेश्वर राम,
अनावेदक पक्षकार-रापा चेंगा,पिता बुटुल,

ईश्तहार

आवेदक मुनेश्वर राम आ0 स्व0 करीमन व अन्य, निवासी ग्राम-सरईटिकरा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सरईटिकरा स्थित कुल खसरा नंबर 17 कुल रकबा 0.901 हे0 भूमि को उभयपक्ष के मध्य में 1/5अंश में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया ह।,
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/07/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/06/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

CMYK

संक्षिप्त खेल समाचार

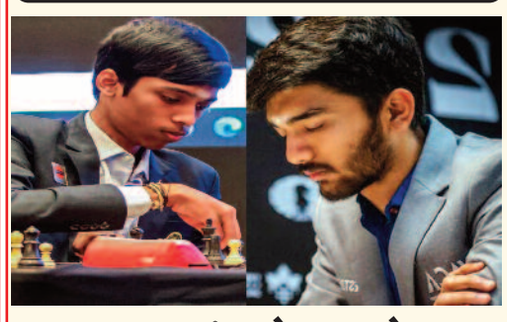

प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट,29 जून 2024। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गये। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारूआना ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरौजा से अंक बांटे। इससे वाचियर लाग्रेव, प्रज्ञानानंदा, अलीरेजा, वेस्ले सो, अनीष गिरी और इयान नपोमनियाच्ची 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। गिरी और नेपोमनियाच्ची के बीच बाजी ड्रा रही।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल कराने के लिए आईओए का किया समर्थन

नयी दिल्ली,29 जून 2024। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मांडविया ने एक बयान में कहा ,''योग की अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिये।'' उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मांडविया ने कहा...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किये जाने के लिये काफी मेहनत की है। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

भारत ने टी 20 वर्ल्ड कप 2024 पर किया कब्जा

» फहरा दिया तिरंगा,भारत 17 साल बाद विश्व विजेता

रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर गाड़ दिया झंडा

ब्रिजटाउन,29 जून 2024। विजय

मुकुट हासिल हुआ संघर्षों से गुजरकर, आज जश्न का दिन है। रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर झंडा गाड़ दिया। फहरा दिया तिरंगा। 17 साल बाद भारत टी20 विश्व कप में विश्व विजेता बना है। आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक चले रोमांचक की पराकाष्ठा वाले मुकाबले में टीम इंडिया ने वो कर दिखाया, जिसका सपना 140 करोड़ भारतीयों ने दखा था। भारतीय टीम 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी। उसके बाद से न जाने किसकी नजर लग गई थी, लेकिन इस बार 2023 में टूटे दिलों को फिर जोड़ दिया। वो करिश्मा कर दिया, जिसकी जरूरत थी। जैसे ही भारत विश्व विजेता बना यहं भारत में आकाश आतिशबाजियों से रंग गया।

गेंदबाजों ने टीम इंडिया की झोली में डाली जीत

177 रनों के जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बना सकी और भारतीय टीम ने 7 रन से ये मैच अपने नाम किया। टीम इंडिया के गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह,हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की जीत से सबसे बड़े हीरो रहे। अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह ने 6 से कम की इकॉनमी से रन दिए और 2-2 विकेट अपने नाम किए।

वहीं, हार्दिक पांड्या ने 20 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

साउथ अफ्रीका मैच में आगे चल रहा था, लेकिन...

बैटिंग पिच 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। उसे हेंड्रिक्स के रूप में पहला झटका लगा, जिसे जसप्रीत बुमराह ने अपने अंदाज में 4 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद कप्तान एडेन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने पंत के हाथों 4 रनों के निजी स्कोर पर लपकवाया। हालांकि, यहां से स्टब्स ने 21 गेंदों में 31 रन की पारी खेलकर टीम को 70 रनों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 3 चौके और एक छक्का मारा।

आखिरी 3 ओवरों में पलट गया मैच, विश्व विजेता बना भारत

लंबे समय से मैदान पर अड़े क्विंटन डि कॉक को 39 रनों के निजी स्कोर पर अर्शदीप सिंह ने चलता किया, लेकिन इसके बाद जो तूफान आया तो उसे रोक पाना मुश्किल हो गया। हेनरिक्स क्लासेन ने अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को जमकर निशाना बनाया और सिर्फ 23 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के उड़ाते हुए हाफ सेंचुरी पूरी कर डाली। हालांकि,17 वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने क्लासेन को आउट कराते हुए मैच में जान डाल दी। इसके बाद अर्शदीप ने कमाल किया तो आखिरी ओवर में हार्दिक पंड्या की गेंद पर सूर्या ने डेविड मिलर का करिश्माई कैच लपका, जो शायद क्रिकेट इतिहास का सबसे मुश्किल कैच है। उपकप्तान हार्दिक ने आखिरी ओवरों में 16 रन बचाते हुए भारत को जीत दिला दी।

पावरप्ले में भारत के 3 बड़े बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए

पावरप्ले में मिले शुरुआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7 विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिये 54 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। अक्षर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से रन आउट हो गए। बीच के ओवरों में कोहली धीमे पड़े और अपना अर्धशतक उन्होंने 48 गेंदों में पूरा किया।

भारतीय मूल के ही केशव महाराज ने किया पहला शिकार

इससे पहले रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। पिछले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय कप्तान को दूसरे ही ओवर में केशव महाराज ने पवेलियन भेजा। स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में वह स्क्वेयर लेग पर कैच दे बैठे। उनके बाद आए ऋषभ पंत भी इसी अंदाज में आउट हुए। रोहित की ही तरह शानदार फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार यादव के आउट होने से भारत को हरारा झटका लगा। उन्हें कागिसो रबाडा ने फाइन लेग पर कैच आउट कराया। भारत ने पावरप्ले के भीतर ही तीन विकेट गंवा दिए।

18वें ओवर में विराट के बल्ले से निकला पहला छक्का,बेहद धीमी पारी छह ओवर के बाद भारत का स्कोर तीन विकेट पर 45 रन था। दूसरे छोर से विकेटों का पतन देख रहे कोहली ने बीच के ओवरों में संभलकर खेला। उन्होंने पहले ही ओवर में हालांकि मार्को यानसेन को तीन चौके लगाए थे। कोहली ने अपनी पारी का पहला छक्का रबाडा को 18 वें ओवर में लगाया। दूसरे छोर से अक्षर ने अपने टी 20 करियर की सबसे उपयोगी पारी खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों को अच्छे स्ट्रोक्स लगाए। उन्होंने एडेन मार्करम, महाराज और तबरेज शम्सी को एक एक छक्का लगाया।

इसके अलावा रबाडा को भी गगनभेदी छक्का जड़ा। भारत ने सातवें से 15 वें ओवर के बीच में 72 रन बनाए और अक्षर का विकेट गंवाया। रबाडा की उछलती गेंद पर कोहली एक रन लेना चाहते थे लेकिन गेंद विकेटकीपर क्विंटन डि कॉक के पास गई और दूसरे छोर से अक्षर काफी आगे आ चुके थे। डिकॉक ने गिल्लियां बिखेरने में देर नहीं की। शिवम दुबे ने 17 गेंद में 27 रन बनाए। कोहली ने आखिरी पांच ओवर में दो छक्के जड़े। भारत ने आखिरी पांच ओवर में 58 रन बनाए और तीन विकेट गंवाए।

17 साल बाद टीम इंडिया ने जीती टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी

टीम इंडिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बनाए। बता दें,सूखी और धीमी पिच पर पावरप्ले में 34/3 पर सिमटने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने जोरदार वापसी की और टी 20 वर्ल्ड कप के फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। इस पारी में टीम इंडिया की ओर से सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए। विराट कोहली ने 59 गेंदों पर 76 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, अक्षर पटेल ने 31 गेंदों पर 47 रन का योगदान दिया। अक्षर पटेल ने अपनी इस पारी में 1 चौका और 4 छक्के लगाए। दूसरी ओर शिवम दुबे ने भी 16 गेंदों पर 27 रन की पारी खेली।

सुहाना खान और अगस्त्य नंदा लंदन के नाइट क्लब में कर रहे पार्टी

अमिताभ के नाती संग एसआरके की लाडली का वीडियो वायरल

शाहरुख खान और गौरी खान की शहजादी सुहाना खान ने अपनी वेब फिल्म द आर्चीज से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। सुहाना ने पहले ही काफी नाम कमा लिया है। एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ वह दो ब्यूटी ब्रांड्स का चेहरा भी हैं। सुहाना के अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ डेटिंग की अटकलें लगाई जाती हैं। हालांकि,उन्होंने कभी भी इसे माना नहीं है, लेकिन अफवाहें अक्सर किसी न किसी कारण से फैल जाती हैं। एक बार फिर से ऐसा ही कुछ हुआ है। दोनों को एक साथ पार्टी करते हुए देखा गया। हाल ही में, एक वीडियो सामने आया, जिसमें हम सुहाना खान और अगस्त्य नंदा को एक नाइट क्लब में बातचीत करते हुए देख सकते हैं। सफेद रंग के टॉप और जींस में सुहाना बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अगस्त्य ब्लैक शर्ट में हैंडसम लग रहे थे। छोटी सी क्लिप में, दोनों काफी खुश दिख रहे थे। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक,सुहाना खान इस वक्त एक फिल्म की शूटिंग के लिए लंदन में हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस और अगत्स्य वेदांत महाजन का बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे थे, जिसमें निसा देवगन भी शामिल हुई।

परिवार की भी है मंजूरी

एक अंदरूनी सूत्र के अनुसार, अपनी फिल्म द आर्चीज की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच एक-दूसरे के लिए भावनाएं जगी थीं। एक सूत्र के अनुसार, उनके परिवार को भी इस बात के बारे में पता है, उन्हें लगा कि ये थोड़े दिन की बात है लेकिन दोनों सीरियस होते जा रहे हैं। इससे पहले, यह भी यह बताया गया था कि अगस्त्य सुहाना खान को क्रिसमस लंच पर अपने परिवार से मिलवाने ले गए थे और शाहरुख की बेटी को सबसे मिलवाया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्वेता बच्चन ने भी अपने बेटे और सुहाना के रिश्ते को मंजूरी दे दी थी।

मीडिया से बचते हैं दोनों

इससे पहले बॉलीवुडलाइफ की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अगस्त्य और सुहाना ने अपने रिश्ते को छुपाया क्योंकि वे इंडस्ट्री में नए थे और नहीं चाहते थे कि लोगों का ध्यान उनकी प्रोफेशनल लाइफ से हटकर उनकी निजी जिंदगी पर जाए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह जोड़ी लोगों की नजरों से बचने के लिए कुछ तरकीबें भी अपनाती हैं और इसी की वजह से सुहाना अपनी कार की खिड़की में काले पर्दे लगाती हैं।

इन दिनों ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म महाराज की खूब चर्चा है। वाईआरएफ की इस फिल्म में जयदीप अहलावत, शारवरी वाघ के अलावा शालिनी पांडे भी नजर आई हैं। इस फिल्म से आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने डेब्यू किया है, जिसमें उन्होंने करसंदास मुलजी का रोल प्ले किया है। इस फिल्म में शालिनी पांडे उनकी मंगेतर की भूमिका में नजर आई हैं। फिल्म में शालिनी को देखकर लोग उनकी तुलना आलिया भट्ट से कर रहे हैं। लोगों ने तो यहां तक कहा है कि ऐसा लग रहा जैसे शालिनी के लिए आलिया ने डबिंग की हो। शालिनी ने अपनी इस फिल्म को लेकर कुछ बातें की हैं और बताया है कि जब उन्होंने पहली बार अपने किरदार के बारे में पढ़ा था उन्हें अपना किरदार कैसा बेवकूफाना लगा था।

इस फिल्म में लोगों की अंधभक्ति को दिखाने की कोशिश की गई है कैसे लोग इंसानों को भगवान की जगह दे देते हैं और फिर सही-गलत का फर्क भी भूल जाते हैं। इस फिल्म में जयदीप अहलावत स्वयंभू धर्मगुरु महाराज के किरदार में नजर आ रहे हैं, जिन्होंने 1800 के दशक के एक गॉडमैन की भूमिका निभाई है, जिन्होंने लोगों में ये यकीन दिलाया था कि वह भगवान के स्वरूप हैं। 1862 के महाराज लिबेल केस पर आधारित जयदीप अहलावत ने वल्लभाचार्य संप्रदाय के प्रमुखों में से एक जदुनाथजी बृजरतनजी महाराज (जेजे) की भूमिका में हैं जो श्रद्धा और भक्ति के नाम पर उस शहर के घरों की महिलाओं के साथ शारिरीक सम्बंध बनाते हैं और इसे चरण सेवा का नाम दिया गया है। हैरानी वाली बात ये है कि इस काम को वहां की महिलाएं और पुरुष दोनों ही पवित्र नजरिए से देखते हैं और जिस घर की महिला जेजे के पास चरण सेवा के लिए जाती है उस दिन उनके घर में मीठा बनता है। शालिनी भी इस बनी-बनाई प्रथा को लेकर अंधभक्त है और जब सच का एहसास होता है तब काफी देर हो चुकी होती है।

शालिनी ने बताया... किशोरी का किरदार बूवकूफी भरा लगा था...

शालिनी ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत करते हुए कहा कि इस सीन को लेकर वह काफी परेशान हो गई थीं। शालिनी ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार इसे पढ़ा तो उन्हें लगा कि उनका किरदार बेवकूफी भरा था,लेकिन बाद में उन्हें समझ आया कि ऐसा नहीं था। जेजे ने ये यकीन दिलाया था कि चरण सेवा पवित्र है और यही वजह थी कि समाज ने इस ओर से आंखें मूंद ली। शालिनी ने कहा,जब मैंने महाराज के साथ वो चरण सेवा वाला सीन नहीं किया था मुझे एहसास नहीं था कि इसका क्या असर होनेवाला है। लेकिन जब ये सीन हुआ मैं अचानक बाहर आ गई और मैंने अपनी टीम को बताया - मैं बंद कमरे में नहीं रहना चाहती थी,मुझे समय चाहिए, मुझे कुछ ताजी हवा चाहिए, मैं थोड़ी परेशान हो रही हूं।

रियल लाइफ में उनकी आइडियॉलजी काफी अलग

शालिनी ने बताया कि उन्होंने निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा और इस सीन में अपने को-स्टार जयदीप को इस बारे में बताया और उन्होंने उनकी ये परेशानी समझी भी। इस बारे में बातें करते हुए शालिनी ने कहा कि रियल लाइफ में उनकी आइडियॉलजी काफी अलग है और जब पहली बार उन्होंने किशोरी के कैरक्टर के बारे में पढ़ा था तो उन्हें वो बहुत बेवकूफ लगी थी।

जब सच पता लगता है तो ये चीज आपको तोड़ देती है...

किशोरी का किरदार जो इस फिल्म में काफी भोली-भाली और प्यारी है, उन्होंने कहा,जब मैंने इसे पढ़ा तो मुझे ऐसा लगा कि वो बेवकूफ है लेकिन फिर मुझे एहसास हुआ कि वह बेवकूफ नहीं है, वह इससे बेहतर कुछ नहीं जानती है। उसे इतना अधिक पाला ही गया था कि वह जो कुछ भी कर रही थी उस पर विश्वास करती थी। लेकिन जब वो ऐसा करती है, इसे महसूस करती है और इसके बारे में सोचती हैं तो ये बातें आपको तोड़ देती है। तब आपको एहसास होता है कि वह मूर्ख नहीं है।

शालिनी पांडे बोलीं,महाराज में चरण सेवा वाले सीन के बाद हो गई थीं बेचैन,बंद कमरे में नहीं रहना चाहती थी

दिलीप कुमार के दीवाने थे कमल हासन

कमल हासन ने बतौर बाल कलाकार फिल्मों में काम करना शुरू किया था और अब वो 64 साल से फिल्म इंडस्ट्री में हैं। अभिनेता आज भी फिल्मों के प्रति उतने ही जुनूनी हैं, जितने 1960 में थे। लाइका प्रोडक्शन की इंडियन 2 (हिंदी में हिंदुस्तानी 2) की रिलीज से पहले कमल हासन ने अपनी आने वाली फिल्म के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने पहली बार दिलीप कुमार को देखा तो उनकी आंखों में आंसू क्यों आ गए थे।कमल हासन ने पिंकविला से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वह शिवाजी गणेशन को अपना इंस्पिरेशन मानते थे। लेकिन जब दिलीप कुमार से मिले तो एकदम से सब बदल गया। कमल हासन सोचते थे कि दुनिया में सिर्फ एक ही सितारा है, वह है श्री शिवाजी। मगर दिलीप कुमार से जब मिले तो वह गलत साबित हो गए। उन्होंने बताया, मुझे दिलीप कुमार साहब नामक एक और चमकता सितारा मिला। और ये बाद में इसलिए हुआ क्योंकि मैं इस देश के दक्षिणी छोर पर पैदा हुआ हूं। नहीं तो, शायद मुझे दिलीप कुमार साहब पहले मिल जाते।दिलीप कुमार की तारीफ करते हुए और यह बताते हुए कि उन्होंने उनके जीवन के बहुत बाद में उनकी फिल्में देखीं, कमल हासन ने कहा, वह भारत के अब तक के सबसे महान अभिनेताओं में से एक हैं और अपने समय के अधिकांश अभिनेताओं से कहीं आगे हैं। वह बहुत इंटरनेशनल हैं और मुझे उन्हें समझने में कुछ समय लगा। और विभिन्न राजनीतिक कारणों से, हिंदी फिल्में कम थीं। इसलिए मैंने दिलीप कुमार की फिल्में बहुत बाद में देखीं। कमल हासन ने बताया कि जब वह सागर नामक फिल्म पर साथ काम करने वाले थे, तब जावेद अख्तर ने उन्हें दिलीप कुमार की फिल्में न देखने के लिए डांटा था। सबसे पहली बात जो उन्होंने उनसे कही, वह थी गंगा जमुना देखने की ताकि जावेद अख्तर का काम आसान हो जाए।

जब जमीर बेचकर शाहरुख खान को करनी पड़ी फिल्म

बॉलीवुड एक्टर का जिक्र हो, तो लोगों के जुबान पर जो नाम सबसे पहले आता है, वो शाह रुख खान का होता है। शाह रुख इंडस्ट्री के बेताज बादशाह हैं। उन्होंने अपने अभिनय से लाखों लोगों को अपना दीवाना बनाया है। आज उनके फैंस सिर्फ देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मौजूद हैं।हालांकि, इंडस्ट्री में आना और बादशाह बनकर लोगों के दिलों पर राज करना किंग खान के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। उन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के कड़ी मेहनत करके ये कामयाबी हासिल की है और आज उनके पास दौलत,शोहरत,प्यार सब कुछ है। अपने करियर में शाह रुख खान ने कई हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। वह किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले काफी सोचते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि किंग खान ने अपने करियर में एक ऐसी फिल्म भी की है, जिसे लेकर उन्हें अब भी अफसोस होता है। इस बात का खुलासा खुद शाह रुख ने किया था।

पैसों के लिए की थी शाह रुख खान ने फिल्म

शाह रुख खान किसी मूवी में कैमियो करें या फिर पूरी मूवी ही उन्हीं को हो, वह अपने रोल को प्ले करने के लिए उसमें जी-जान लगा देते हैं। फैंस फिल्मों में उनकी एक झलक देखने को बेकरार रहते हैं, लेकिन उनकी एक मूवी ऐसी थी, जिसे वह नहीं करना चाहते थे। साल 2016 में अनुष्का शर्मा और शाह रुख खान एक टॉक शो यारों की बारात में गए थे। इस शो में साजिद ने स्टार्स से सवाल किया कि क्या उन्होंने अपनी लाइफ में कभी कोई मूवी सिर्फ और सिर्फ पैसों के लिए की है। इस पर अनुष्का ने न में जवाब दिया और किंग खान ने हां में। इसके साथ ही उन्होंने इसकी वजह भी बताई।शाह रुख ने कहा था कि मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन जिंदगी में मैंने एक बार किया है। मैंने 60 फिल्में की हैं और उनमें से सिर्फ एक फिल्म मैंने पैसे के लिए की थी। मुझे मालूम था,मैंने प्रोड्यूसर को बोल दिया था कि यह फिल्म मैं सिर्फ पैसे के लिए कर रहा हूं।

उपयुक्त समय पर होगा कैबिनेट विस्तार

रायपुर,29 जून 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को दिल्ली से रायपुर लौट आए हैं। मान एयपोर्ट में प्रदेश में होने वाले मंत्रिमंडल के विस्तार पर विष्णुदेव साय ने कहा, शुक्रवार को दिल्ली में छत्तीसगढ़ के सभी भाजपा सांसदों की परिचयात्मक बैठक थी। जिसमें मैं और प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री और शिवप्रकाश भी उपस्थित रहे।

नक्सल इलाकों में रेल कनेक्टिविटी बढ़ाएगी छत्तीसगढ़ सरकार

» सीएम साय ने सुरक्षाबल प्रमुखों के साथ की मीटिंग...

» सड़क,अस्पताल, स्कूलों पर भी फोकस...

रायपुर,29 जून 2024(ए)। यूनिफाइड कमांड की बैठक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में हुई। यह बैठक सीएम विष्णुदेव साय ने ली। साल में एक बार होने वाली यूनिफाइड कमांड की बैठक में नक्सलवाद पर प्रमुख रूप से चर्चा हुई।

बस्तर में 6 महीने में हुए कई विकास कार्य

बैठक के बाद सीएम साय ने यूनिफाइड कमांड मीटिंग में हुई चर्चा के बारे में मीडिया को बताया। साय ने कहा नक्सलवाद पर आज विस्तृत चर्चा हुई, जो नक्सल पीड़ित क्षेत्र है,वहां विकास के काम हो रहे हैं। हमें सरकार में आए 6 महीना हुआ है, इस दौरान 6 महीने में हमने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास के कई काम किए। इस 6 महीने में बड़ी मजबूती के साथ नक्सलवाद के साथ लड़ाई लड़ी। हमारे जवान मुस्तादी के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं और उन्हें सफलता भी मिल रही है। बस्तर के अंदरूनी इलाकों में नए सुरक्षा कैंप स्थापित कर और नियद नेल्लानार योजना शुरू करके लोगों तक सरकार की योजनाएं पहुंचाई जा रही है।

डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ का कर रही विकास

सीएम साय ने बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों के सवाल पर कहा- हम लोगों का सौभाग्य है कि डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ का विकास कर रही है। हमारे देश के गृहमंत्री अमित शाह साल की शुरुआत में जनवरी में यहां पहुंचे और एक महत्वपूर्ण बैठक ली। उनके मार्गदर्शन से हमें हौसला अफजाई मिली है। नक्सल प्रभावित लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा लक्ष्य है। नक्सल क्षेत्र में रोड कनेक्टिविटी,रेल कनेक्टिविटी,संचार के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है। किसी भी काम के लिए वहां पर संसाधन की कमी ना हो इसका प्रयास हम कर रहे हैं।

यूनिफाइड कमांड मीटिंग में डिप्टी सीएम,सेंट्रल फोर्स के अधिकारी

बैठक में डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज कुमार पिंगुआ सहित केंद्र और राज्य के वरिष्ठ अधिकारी, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, आईटीबीपी, बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ, भारतीय वायुसेना और छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

अब ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नहीं होना होगा परेशान

» मुख्यमंत्री की विशेष पहल से मिली नागरिकों को नई सुविधा

रायपुर,29 जून 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर आम नागरिकों को एक और नई सुविधा परिवहन विभाग के माध्यम से मिलने जा रही है। ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण-पत्र आवेदक द्वारा दिए गए पते पर नहीं पहुंचने पर आवेदकों को उनके जिले के क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन कार्यालयों के माध्यम से वितरित किए जाएंगे। परिवहन विभाग द्वारा यह सुविधा एक जुलाई से लागू की जा रही है। मुख्यमंत्री साय के समक्ष यह बात सामने आई कि परिवहन विभाग द्वारा डाक के माध्यम से भेजे गए कई ड्राइविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण-पत्र पता सही नहीं होने के कारण नया रायपुर स्थित परिवहन विभाग के मुख्यालय इन्द्रावती भवन में वापस लौट आते थे। ऐसे आवेदकों को अपने ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए नवा रायपुर आना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने आवेदकों की दिक्कतों को महसूस करते हुए परिवहन विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश दिए गए कि किसी वजह से अप्राप्त रहे ड्राइविंग लाईसेंस तथा पंजीयन प्रमाण-पत्र संबंधित जिले के क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय, जिला परिवहन कार्यालय के माध्यम से वितरित किए जाए। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अस्पष्ट अथवा अपूर्ण पते के कारण नवा रायपुर स्थित परिवहन मुख्यालय लौटने वाले ड्राइविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण-पत्र लेने के लिए नवा रायपुर आने की जरूरत नहीं होगी। आवेदक संबंधित कार्यालय से वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने चालक लाईसेंस अथवा पंजीयन प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगें। इस संबंध में परिवहन विभाग द्वारा सभी अधीनस्थ कार्यालयों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

अब छोटे मजदूर के बच्चे भी बनेंगे बड़े अफसर

» प्रदेश के इन जिलों में जुलाई से शुरू होगी निःशुल्क कोचिंग...

रायपुर,29 जून 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में जुलाई से मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग शुरू होने जा रही है। इस योजना के तहत पीएससी, व्यापम, बैंकिंग प्रतियोगी परीक्षा के लिए निःशुल्क कोचिंग की सुविधा श्रमिकों के बच्चों को मिलेगी। प्रदेश के 10 जिलों में इस योजना के तहत निःशुल्क कोचिंग शुरू होने जा रही है।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के पंजीकृत हितग्राहियों के लिए मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना प्रारंभ की गई है।

इसी तारतम्य में पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत श्रमिक के संतानों को शैक्षणिक योग्यता अनुसार लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, कर्मचारी चयन आयोग,बैंकिग,रेल्वे, पुलिस भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए 4 से 10 माह तक की निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राही स्वयं, च्वाईस सेन्टर या श्रम कार्यालय के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

पंजीकृत श्रमिक की अगर मृत्यु हो चुकी है तब भी मिलेगी सुविधा

यदि हितग्राही की मृत्यु दिनांक 9 जून 2020 से पहले हुई है तो पुराने अधिसूचना के अनुसार योजना के लिए उनके बच्चे पात्र है तथा वे हितग्राही जो नवीन योजना मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े हुए हैं वे भी आवेदन कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन भी मिलेगी कोचिंग

यह कोचिंग ऑनलाइन के साथ साथ ऑफलाइन भी मिलेगी। ताकि विभिन्न परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को दोनों का विकल्प मिल सके। बहुत से छात्र समय या फिर दूरी की वजह से ऑफलाइन ही कोचिंग लेना चाहते हैं, उनको ये सुविधा मिलेगी।

इन जिलों में शुरू होने जा रही सुविधा रायपुर,बिलासपुर,दुर्ग,धमतरी, राजनांदगांव,कोरबा,रायगढ़, जांजगीर चांपा, महासमुंद जिले में इस योजना की शुरुआत की जा रही है।

छात्र छात्राओं मे उत्साह,तीन जिलों के लिए 4 बैच हुए भरे

निःशुल्क कोचिंग योजना के लिए छात्र छात्राओं मे जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के तीन जिले रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में कुल (50-50) चार बैच अब तक भरे जा चुके हैं। अन्य जिलों से आए आवेदन का परीक्षण कर बैच बनाने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

आईपीएस अरुणदेव और हिमांशु को एडीजी से डीजी बनाने डीपीसी से मिली हरी झंडी

कभी भी निकल जाएगा आदेश

रायपुर,29 जून 2024(ए)। मंत्रालय में हुई डीपीसी में एडीजी अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता को डीजी बनाने का रास्ता साफ हो गया है। डीपीसी ने इन दोनों आईपीएस अधिकारियों के प्रमोशन को हरी झंडी दे दी। डीपीसी के बाद फाइल गृह मंत्री से होते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पास पहुंच गई है। संकेत हैं, मुख्यमंत्री का अनुमोदन होते ही आजकल में दोनों अफसरों के प्रमोशन का आदेश जारी हो जाएगा। इसके अलावा पवनदेव का लिफाफा बंद कर दिया गया है।

डीजी के चार पद

छत्तीसगढ़ में डीजी के दो कैडर पद हैं। इसके विरूद्ध राज्य सरकार दो एक्स कैडर पोस्ट क्रियेट कर सकती है। याने कुल चार पद हुए। अभी चार में से सिर्फ एक पद भरा है। इस पद पर अशोक जुनेजा डीजी पुलिस हैं। बाकी तीनों पद

खाली है। जुनेजा के बाद राजेश मिश्रा डीजी थे। मगर जनवरी में उनके रिटायरमेंट के बाद वो भी खाली हो गया। बहरहाल, डीजी के तीन पदों के लिए मंत्रालय में डीपीसी हुई। राजेश मिश्रा के रिटायरमेंट के बाद सीनियरिटी में 92 बैच के दो आईपीएस अधिकारी हैं। पवनदेव और अरूणदेव गौतम। इसके बाद 94 बैच में सबसे उपर हिमांशु गुप्ता हैं। सो, इन तीनों के लिए डीपीसी हुई।

पवनदेव का लिफाफा बंद

94 बैच में वैसे पवनदेव का नाम सबसे उपर है। मगर उनके खिलाफ विभागीय जांच चल रही है इसलिए डीपीसी में उनके नाम पर चर्चा तो हुई मगर प्रमोशन नहीं हो पाया। डीपीसी ने उनके नाम का लिफाफा बंद कर दिया। लिफाफा बंद करने का मतलब यह होता है कि निकट भविष्य में अगर उनके खिलाफ जांच खतम हो जाती है तो उन्हें बिना डीपीसी के प्रमोशन दे दिया जाएगा। पवनदेव के साथ प्लस यह है कि डीपीसी ने उनका पद सुरक्षित रखा है। जानकारों का कहना है कि डीपीसी को अधिकार होता है कि उसे अगर लगे कि जांच लंबा खिंचेगा और इसमें उन्हें बचने की कोई संभावना नहीं तो फिर उस पद के खिलाफ नीचे वाले को मौका दे देता है। मगर पवनदेव के लिए पद रखा गया है। याने भले ही उनका प्रमोशन नहीं हुआ मगर तीसरा पद रिजर्व माना जाएगा।

डीजी कौन बनेगा?

डीजीपी अशोक जुनेजा अगस्त के पहले हफ्ते में रिटायर हो जाएंगे। दरअसल,उन्हें पूर्णकालिक डीजीपी बनाने का आदेश 5 अगस्त 2022 को निकला था। दो साल का उनका टेन्योर 4 अगस्त को पूरा हो जाएगा। जाहिर है,उस समय दो डीजी होंगे। अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता। राज्य सरकार सीनियरिटी के हिसाब से अगर डीजी बनाएगी तो फिर अरुण गौतम का नाम फायनल समझिए और कहीं हिमांशु गुप्ता के माथे पर लिखा होगा डीजीपी बनना तो फिर उनके नाम का आदेश निकल जाएगा। जाहिर है, सीएस, डीजीपी और पीसीसीएफ सभी नहीं बन जाते।

सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर से नहीं होगी वसूली

ब्याज के साथ लौटानी होगी रकम

बिलासपुर,29 जून 2024 (ए)। सेवाकाल के दौरान त्रुटिपूर्ण ढंग से वेतनवृद्धि की वजह से हुए अतिरिक्त वेतन भुगतान की वसूली सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर से करने पर हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है।. इसके साथ ही वसूली गई रकम छह प्रतिशत ब्याज के साथ वापस लौटाने का आदेश दिया है।11वीं बटालियन, जांजगीर-चाम्पा में सब इंस्पेक्टर के पद पर पदस्थ उसलापुर निवासी मरियानुस टोप्पो 30 अप्रैल 2018 को सेवानिवृत्त हुए थे।. सेवानिवृत्ति के पश्चात् बटालियन की ओर से मरियानुस टोप्पो के विरूद्ध वसूली आदेश जारी किया गया था। इस पर मरियानुस टोप्पो ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय व दुर्गा मेहर के माध्यम से बिलासपुर हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी।

कांस्टेबल और हेड कांस्टेबल कर रहे थे डिजिटल वसूली

» शिकायत के बाद एसपी ने किया निलंबित

सक्ती,29 जून 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ शिकायत के बाद, एसपी अंकिता शर्मा ने दो पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन पुलिसकर्मियों पर आरोप है कि वे सक्ती के हरदी गांव में आम लोगों से वसूली कर रहे थे, जिसके चलते पुलिस विभाग की बदनामी हो रही थी.इस मामले में एसपी अंकिता शर्मा ने कड़ी कार्रवाई करते हुए अजय प्रताप और मनोज लहरे नामक दोनों पुलिसकर्मियों को द्वारा तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इस कार्रवाई से एसपी अंकिता शर्मा ने जिले में पुलिस व्यवस्था की मजबूती का संदेश देते हुए आम लोगों के बीच विश्वास को मजबूत किया गया है।

युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष और सरपंच को एनआईए ने किया गिरफ्तार

» केंद्रीय जांच एजेंसी की बड़ी कार्यवाही...

रायपुर,29 जून 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने बस्तर संभाग के नारायणपुर में भाजपा नेता रतन दुबे की हत्या के मामले में युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष लालू कोर्राम और तोयनार सरपंच सैनू कोर्राम की गिरफ्तारी को कांग्रेस की रक्तपिपासु राजनीति का एक और कलंकित अध्याय बताया है। ठाकुर ने कहा कांग्रेस नेताओ और विधायक के सामने मोहला मानपुर में भाजपा के लोगों को काटने की बातें चलती रही और बाद में हुआ भी ऐसा ही और अब जांच एजेंसी कांग्रेस के नेताओं को इसमें संलिप्त पा रही है तो यह छत्तीसगढ़ की राजनीति का बेहद दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय है।

ठाकुर ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक और

निंदनीय है कि चुनाव में अपनी हार को देखकर कांग्रेसियों ने हत्या करने तक का षड्यंत्र रचा। राजनीति में इतना गिर जाना कि किसी राजनीतिक दल के कार्यकर्ता की हत्या करवानी पड़े, इससे अक्षम्य अपराध कोई नहीं है।पूरे-के-पूरे कांग्रेस के लोग और तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इसके दोषी हैं। कांग्रेस के शासनकाल में भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों की लगातार टारगेट किलिंग भी भूपेश सरकार के कार्यकाल पर एक बदनुमा दाग है। ठाकुर ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र के नाम पर राजनीतिक पाखंड की पराकाष्ठा कर चुकी कांग्रेस इस तरह के घृणित खून-खराबे की राजनीति करके एक तरह से लोकतंत्र और संविधान की हत्या करने में लिप्त है ।

ठाकुर ने कहा कि अब हर हाल में कांग्रेस के हर-एक षड्यंत्रों का खुलासा होगा, अपराधी जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे और प्रदेश में विष्णु का सुशासन कानून का राज स्थापित करेगा। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस जब विचारों के आधार पर मुकाबला करने में अक्षम हो जाती है तो अपने विरोधियों को रास्ते से हटाने के लिए ऐसे खूनी खेल खेलती रही है।

यही कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र रहा है। अब जांच में कांग्रेस का खूनी राजनीतिक चरित्र बेनकाब हो रहा है ठाकुर ने कहा कि येन-केन-प्रकारेण सत्ता हासिल करने या सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक विरोधियों की हत्या तक करके कांग्रेस ने गुरेज नहीं किया, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है।

कलेक्टर-एसपी कार्यालय में आगजनी मामले में बड़ी कार्रवाई

» भीम आर्मी प्रदेश उपाध्यक्ष और महासचिव सहित 3 गिरफ्तार...

बलौदाबाजार,29 जून 2024 (ए)। कलेक्टर-एसपी कार्यालय में आगजनी और तोड़फोड़ की घटना में शामिल तीन बड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए लोगों में भीम आर्मी छत्तीसगढ़ का प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार और प्रदेश महासचिव रामस्वरूप महिलांगे शामिल है। वहीं इस घटना में शामिल 151 आरोपियों को पुलिस ने अबतक के गिरफ्तार किया है।दरअसल, 10 जून को बलौदाबाजार में आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल लोगों द्वारा संयुक्त कार्यालय और परिसर में खडी वाहनों में तोड़फोड़ करते हुए आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम बनाकर दबिश दे रही है। आरोपियों के वीडियो, फोटो, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कर उन्हें गिरफ्तार भी किया जा रहा है।इसी क्रम में

27 जून को प्रकरण में शामिल 3 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी में छग में भीम आर्मी का प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार कठैतिया,प्रदेश महासचिव रामस्वरूप महिलांगे शामिल है। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। प्रकरण में अभीतक के कुल 151 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

10 बाल आरोपी माना संप्रेक्षण गृह से हुए फरार

रायपुर,29 जून 2024(ए)। राजधानी रायपुर के माना में स्थित बाल संप्रेक्षण गृह हमेशा सुर्ख़ियों में बना रहता है। आए दिन यहां से अपचारी बालक फरार होते रहते हैं। पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच भी नाबालिग आरोपी उन्हें चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो जाते हैं। ऐसे में पुलिस और प्रशासन की चिंता बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में एक बार फिर माना बाल संप्रेक्षण गृह के सुरक्षा की पोल खुली है ऐसा इसलिए क्योंकि एक बार फिर माना बाल संप्रेषण गृह से अपचारी बालक फरार हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, माना बाल संप्रेक्षण गृह से 10 अपचारी बालक फरार हो गए हैं। ये सभी बालक आज सुबह संप्रेक्षण गृह की दीवार फांद कर फरार हुए हैं। सभी अपचारी बालक अलग-अलग गंभीर अपराधों में बाल संप्रेक्षण गृह में बंद थे। अपचारी बालकों के फरार होने की खबर मिलते ही माना पुलिस एक्टिव हो गई और फरार बालकों की तलाश में जुट गई है। माना बाल संप्रेक्षण गृह बालकों के भागने का यह कोई नया मामला नहीं है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)